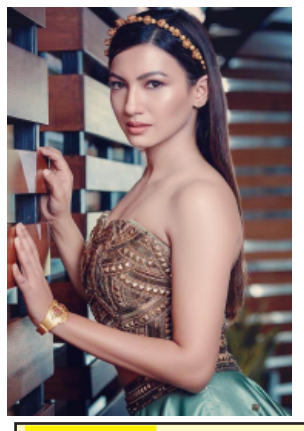

हिन्दी दैनिक

मेरी ज़ुबान

Epaper : merijuban.com

मेरी ज़ुबान आपकी अवाज़

page 3 ऑपरेशन ऑल आउट ने किया अपराधियों की नाक में दम

page 5 दीवार के सहारे करें ये योगासन, 10 मिनट के अभ्यास से मिलेंगे गजब के फायदे

page 6 रोहित की कप्तानी से नाखुश हैं गावस्कर

वर्ष :01 अंक : 40 | लखीमरु खीरी, मंगलवार 11 जुलाई 2023 | पृष्ठ 08 | मूल्य 5.00 रूपया- | ऑफर मूल्य 3.00 रूपया

मुख्यमंत्री ने की बाढ़ व जलभराव की समीक्षा

राहत आयुक्त कार्यालय को किया अलर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अतिवृष्टि के बाद अधिकारियों को अलर्ट किया है। उन्होंने निर्देश दिया कि बाढ़ के साथ-साथ जलभराव के निदान के लिए ठोस प्रयास किए जाएं।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में तेज बारिश के बाद जनहित के दृष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अतिवृष्टि के बाद अगले कुछ दिनों में प्रदेश की विभिन्न नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका है। सिंचाई एवं जल संसाधन के साथ-साथ राहत एवं बचाव से जुड़े सभी विभाग अलर्ट मोड में रहें। इस वर्ष अब तक 24 जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जबकि 31 जिलों में औसत से कम वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जुलाई माह में इन जिलों में भी अच्छी वर्षा होने की संभावना है। मौसम की बदलती परिस्थितियों पर सतत नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि विगत कुछ दिनों में आकाशीय बिजली से कई स्थानों पर जन-धन की हानि की दुःखद सूचना मिली है। ऐसे पीड़ित परिवारों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। इस वर्ष पूर्वी उत्तर प्रदेश में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। आकाशीय बिजली के सटीक पूर्वानुमान (अर्ली वार्निंग सिस्टम) की बेहतर प्रणाली का विकास जरूरी है। जनहानि/पशुहानि को न्यूनतम रखने के लिए यह जरूरी है। हर गांव में रेन गेज लगाए जाने की कार्रवाई में भारत सरकार भी सहयोग कर रही है, इस कार्य को तेजी के साथ पूरा किया जाए। राजस्व एवं राहत, कृषि, राज्य आपदा प्रबन्धन, रिमोट सेन्सिंग प्राधिकरण, भारतीय मौसम विभाग, केन्द्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण से संवाद-संपर्क बनाएं और ऐसी प्रणाली का विकास करें, जिससे आमजन को समय से मौसम की सटीक जानकारी मिल सके। बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति पर सतत नजर रखी जाए। कई स्थानों पर गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी देखी गई है। इसी तरह, सभी नदियों के जलस्तर की सतत मॉनीटरिंग की जाए। प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व पीएसी की फ्लड यूनिट तथा आपदा प्रबंधन टीमों को 247 एक्टिव मोड में रहें। आपदा प्रबंधन मित्र, सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों की आवश्यकतानुसार सहायता ली जानी चाहिए। बाढ़ के साथ-साथ जलभराव के निदान के लिए भी ठोस प्रयास जरूरी मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें बाढ़ के साथ-साथ जलभराव के निदान के लिए भी ठोस प्रयास करना होगा।

'मोदी ने राजनीति की संस्कृति बदल डाली'

प्रजातंत्र नहीं, उनकी नेतागिरी खतरे मे हैं :नड्डा

नड्डा ने कहा कि 9 साल पहले 92% मोबाइल विदेशों से बनकर आता था और सबसे ज्यादा चीन से आता था, आज 97% मोबाइल भारत बना रहा है। उन्होंने कहा कि स्टील उत्पादन में भारत चौथे नंबर पर था, आज भारत स्टील उत्पादन में दूसरे नंबर पर है।

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीबी हटाओ के नाम पर कांग्रेस पार्टी लंबे समय तक राजनीति करती रही, गरीबों के नाम पर वोट लिया और गरीबों को ही लूटती रही। लेकिन सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया। जेपी नड्डा गुजरात के गोधरा में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 9 वर्ष पहले भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें नंबर पर थी, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ब्रिटेन को पछाड़कर भारत, दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हर तरफ हुआ विकास नड्डा ने कहा कि 9 साल पहले 92% मोबाइल विदेशों से बनकर आता था और सबसे ज्यादा चीन से आता था, आज 97% मोबाइल भारत बना रहा है। उन्होंने कहा कि स्टील उत्पादन में भारत चौथे नंबर पर था, आज भारत स्टील उत्पादन में दूसरे नंबर पर है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय था जब भारत के प्रधानमंत्री कहते थे कि मैं 1 रुपया भेजता हूं तो 85 पैसे गायब हो जाते हैं। वह पता नहीं कौन सा पंजा था जिसमें वह 85 पैसे चिपक जाते थे। आज के डिजिटल इंडिया में पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में जाता है। उन्होंने कहा कि 70 साल में 74 एयरपोर्ट बने और मोदी जी के 9 साल में 74 एयरपोर्ट बने। जिसमें से 8 एयरपोर्ट तो हमारे गुजरात में ही बन रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी ब्रिटेन में जाकर बोल रहे हैं कि भारत में 'प्रजातंत्र' खतरे में है। ये बातें वह कर रहा है जिनकी दादी ने आपातकाल लगाकार लाखों लोगों को जेल भेज दिया था।

एसपी के रसोइया की पत्नी से बदमाशों ने कान के सुई-धागा और मंगलसूत्र लूटा

शहर में डीसी रोड पर तनिष्क शोरूम के पास हुई घटना, रिपोर्ट दर्ज

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली क्षेत्र में बदमाश इतने बेखौफ हो गए हैं कि दिन दहाड़े शहर में डीसी रोड पर तनिष्क शोरूम के पास अपरान्ह 4:30 बजे एसपी के रसोइया की पत्नी को डरा-धमकाकर सोने के जेवर लूट लिए। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले में दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है, लेकिन लगातार एक के बाद एक हो रही घटनाओं से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। बता दें कि कुछ दिन पहले ऑफिसर कालोनी स्थित अपर सिविल जज के सरकारी आवास का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों कीमत के जेवरात समेत कीमती सामान पार कर दिया था, जिसका पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर सकी है। वहीं अब ताजा मामले में पुलिस विभाग के मुखिया एसपी गणेश प्रसाद साहा के रसोइया कन्हैया सिंह की पत्नी पुष्पा देवी के साथ लूट की वारदात हो गई है। पुलिस को दी तहरीर के मुताबिक पुष्पा देवी ने बताया है कि वह पुलिस लाइन के सरकारी आवास में रहती है। उन्होंने बताया कि रविवार को अपराह्न करीब 4:30 बजे वह अपनी पुत्री रेनू से मिलने उसके घर फॉरेस्ट कालोनी जा रही थी। तभी डोमिनोज के पास से दो लोग डरा-धमकाकर तनिष्क ज्वैलर्स के पास ले गए, जहां पर दोनों बदमाशों ने कान के सुई धागे व मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। वह डरी सहमी अपने आवास पर पहुंची और पति को अपने साथ हुई वारदात की जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता ने सदर कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात दो बदमाषों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज करके जांच की जा रही है। घटना का शीघ्र खुलासा करने के लिए सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

तोरई ने तरेरी आंखे चुभने लगी टमाटर की लाली, कैसे सजे थाली

बारिश बनी महंगाई का कारण, थालियों से गायब हुई सलाद

सब्जियों के बढ़ते दामों से हर वर्ग है परेशान

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। भीषण गर्मी के बाद झमाझम हुई बारिश से लखीमपुर खीरी में इन दिनों सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। खासकर तरकारी (सब्जी) से टमाटर की लाली गायब हो गई है। दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी ने आम आदमी के बजट को बिगाड़ कर रख दिया है यही नहीं निम्न वर्ग से लेकर मध्यम वर्ग की थालियों से हरी सब्जी गायब हो चुकी है। बारिश के सीजन के शुरूआत में ही आसमान पर चढ़े सब्जियों के दामों में कुछ एक को छोड़ दें तो लगभग हर वर्ग को प्रभावित कर दिया है। करीब 15 दिन पूर्व सौ रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिकने वाले टमाटर के दाम 160 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं। महंगाई की मार से प्याज, भिंडी लहसुन, हरी धनिया, तोरई, लौकी, कद्दू, परवल व अन्य सब्जियां भी अछूती नहीं है। सब्जियों के दामों में अचानक आए उछाल का परिणाम इसकी खरीदारी पर पड़ रहा है पहले जो हरी सब्जियां लेकर जाते थे अब उनकी खरीदारी एक या फिर दो सब्जी तक सिमट गई है। वहीं कई लोग सब्जी के विकल्प के रूप में कढ़ी और आलू, न्यूट्रीला का प्रयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही गरीब तबका तो अब सब्जी के दाम घटने का इंतजार कर रहा है। शहर के सौजन्य चौक स्थित एक दुकानदारी पर पड़ रहा है क्योंकि जो ग्राहक कोई सब्जी दो किलो खरीदते थे वह एक और आधा किलो ही खरीद कर गुजारा कर रहे हैं। वही दाम बढ़ने से सब्जी के कारोबार करने वालों का मुनाफा भी कम हो गया है। सब्जी विक्रेता ने बताया कि आमतौर पर इन दिनों मैदानी इलाके से आने वाली सब्जी का उत्पादन कम हो जाता है। इससे दामों में बढ़ोतरी होती है लेकिन इस बार तेज बारिश से जो उत्पादन हो रहा था वह सड़ गया। ऐसे में अब दूसरे राज्यों पर निर्भरता अधिक बढ़ गई है। दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जी में भाड़ा महंगा पड़ रहा है। जिससे सब्जियों के दामों में अधिक बढ़ोतरी हो गई है। वही एक और सब्जी विक्रेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया की सब्जियों के दाम बढ़ने का असर सीधे तौर पर सब्जी खरीद रहे लोगों ने बताया कि सब्जियों के बढ़ रहे दाम का असर थालियों में दिखने लगा है क्योंकि रोजाना आमदनी वाले लोगों के किचन से हरी सब्जियों के साथ टमाटर भी गायब हो गया है। अधिकांश सब्जियां महंगी हो गई है। पहले की अपेक्षा अब लोग जरूरत की सब्जियां ही खरीद कर काम चला रहे हैं। एक तो वैसे ही गैस सिलेंडर से लेकर हर वस्तु के दाम बढ़े हैं ऊपर से सब्जियों की कीमत में तेजी आने से निराश होना पड़ रहा है।

पंद्रह दिन पहले और वर्तमान समय में सब्जियों के दाम (प्रति किलो)

सब्जी	पहले	अब	सब्जी	पहले	अब
टमाटर	१००	१६०	लहसुन	६०	८०
तोरई	४०	५०	गाजर	४०	८०
लौकी	२०	४०	बंधा	२०	६०
भिंडी	४०	६०	खीरा	३०	६०
कद्दू	३०	६०	चुकंदर	३०	६०
करेला	४०	८०	बैंगन (पतला)	४०	६०
गोभी	७०	१२०	बैंगन (गोल)	४०	८०
आलू	२०	२५	अदरक	३००	३५०
परवर	४०	८०	हरी धनिया	३००	३२०
पालक	३०	४०			
घुइयां	५०	८०			
केला (कच्चा)	३०	४०			
प्याज	२०	६०			

नोट : यह आंकड़े शहर के फुटकर विक्रेताओं से प्राप्त हुए हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की बाजारों में यह घट बढ़ भी सकते हैं।

भीरा, ओयल, खीरी व धौरहरा के ईओ अपने मूल विभागों में हुए वापस

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। शासन ने प्रतिनियुक्ति पर नगर विकास विभाग में अधिशासी अधिकारी बने अधिकारियों को वापस मूल विभागों में भेज दिया है। जनपद के तीन अलग-अलग विभागों के अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर अधिशासी अधिकारी बने थे। पंचायत विभाग के ग्राम पंचायत अधिकारी दीपक श्रीवास्तव वर्तमान में भीरा नगर पंचायत में बतौर ईओ तैनात हैं। ऐसे ही नगर स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र यादव की तैनाती नगर पंचायत खीरी व धौरहरा में ईओ पद पर है। वहीं आर्थिक एवं संख्या विभाग के अधिकारी सात्विक शुक्ला की तैनाती ओयल नगर पंचायत में है। तीनों अधिकारी 2019 में प्रतिनियुक्ति पर नगर विकास विभाग में गए थे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने गांधीनगर में दाखिल किया नामांकन

गांधीनगर । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार (10 जुलाई) को गुजरात के गांधीनगर से राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गुजरात की जनता और विधायकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह आने वाले 4 सालों में होने वाली प्रगति में अपना योगदान दे सकेंगे। चुनाव आवश्यक हो गया था क्योंकि जयशंकर का कार्यकाल 18 अगस्त को गुजरात के दो अन्य राज्यसभा सदस्यों जुगलसिंह लोखंडवाला और दिनेश अनावाडिया के साथ समाप्त हो जाएगा। जताया आभार एस जयशंकर ने नामांकन दाखिल करने के बात कहा कि अपना सबसे पहले मैं पीएम मोदी, बीजेपी नेतृत्व और गुजरात की जनता और विधायकों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। चार साल पहले मुझे राज्यसभा में गुजरात का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान मिला था। उन्होंने कहा कि पिछले 4 वर्षों में पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में हुए बदलावों का हिस्सा बनने का मुझे अवसर मिला। मुझे उम्मीद है कि मैं आने वाले 4 वर्षों में होने वाली प्रगति में योगदान दे सकूंगा। भारत निर्वाचन आयोग (एउक) ने तीन राज्यों- गोवा, गुजरात और पश्चिम बंगाल की 10 राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को होने वाले चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की थी। 2019 में बने थे मंत्री भाजपा ने आधिकारिक तौर पर तीन राज्यसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम की घोषणा नहीं की है लेकिन जयशंकर का नामांकन तय था।

भारत में कोरोना मामले अब तक के सबसे निचले स्तर पर; रिकवरी रेट हुई 98.81 प्रतिशत

नई दिल्ली। साल 2020 से कोरोना महामारी वैश्विक रूप से गंभीर समस्या बनी हुई है। हालांकि हाल के दिनों में दुनियाभर में इसके संक्रमण की रफ्तार पर लगाम लगी हुई है। भारत में भी कोरोना के मामले इस समय सबसे निचले स्तर पर हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार यानी आज कोरोना के ताजा आंकड़े जारी किए हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, भारत में 24 नए कोरोना वायरस मामले दर्ज किए गए हैं, ये जनवरी 2020 के बाद से सबसे कम हैं। बता दें कि जनवरी 2020 में केरल में कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया था।

आम बीनने गए युवक का शव बाग में मिला, करंट लगने से मौत की आशंका

शरीर पर मिले झुलसने के निशान

लखीमपुर खीरी। मैलानी थाना क्षेत्र के बांकेगंज पुलिस चौकी अंतर्गत अपने एक साथी के साथ सुबह चार बजे आम बीनने गए युवक का शव रामनगर स्थित एक बाग में पेड़ के नीचे मिला। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसके शरीर पर झुलसने के निशान पाये गए हैं। मैलानी थाना क्षेत्र के केसरीपुर गांव निवासी 17 वर्षीय कमरूद्दीन अपने साथी कालिया के साथ सोमवार को सुबह करीब चार बजे आम बीनने पड़ोस की बाग में गया था। कुछ देर बाद उसका साथी कालिया तो वापस आ गया लेकिन कमरूद्दीन वहीं रह गया। बाद में लोगों ने उसका शव बाग में पड़ा देखा जिसपर ग्रामीणों ने परिवार वालों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिवार वालों ने युवक को मृत पाया। युवक के पीठ और बाई कोहनी पर झुलसने का निशान था। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। लेकिन आसपास कोई बिजली का तार नहीं पाया गया है। इससे यह भी आशंका जतायी जा रही है कि उसकी मौत कहीं दूसरी जगह हुई होगी जिसके बाद शव बाग में लाकर डाला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं बांकेगंज चौकी प्रभारी के अनुसार केसरीपुर निवासी 17 वर्षीय कमरुद्दीन का शव बाग में संदिग्ध अवस्था में पाया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण पता चलेगा।

पिता के जेल जाने के बाद, कमरुद्दीन चलाता था घर का खर्च

पुलिस के पूछने पर मृतक की माता अमीना ने किसी से किसी भी प्रकार की दुश्मनी होने से इनकार किया बताया कि मृतक कमरुद्दीन तीसरे नंबर का पुत्र था। करीब डेढ़ वर्ष पहले पिता के जेल जाने के बाद उसी की कमाई से घर का खर्च चलता था। कभी वह धान की रोपाई कर लेता था तो कभी वह मजदूरी कर लेता था। बड़ा लड़का बाहर रहकर काम करता है। उससे छोटा कोई भी काम धंधा नहीं करता है और वह घर पर ही रहता है। काम धंधा करके घर का खर्च चलाने वाले बेटे के जाने के बाद अब उसके पास कोई सहारा भी नहीं रह गया है। मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान पति वीरेंद्र कुमार ने महिला को हर संभव सहयोग करने का आश्वासन भी दिया।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान

लखीमपुर खीरी, मंगलवार 11 जुलाई, 2023

11 से 24 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग मनाएगा विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ जिला महिला चिकित्सालय खीरी के साथ-साथ जनपद के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा किया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जनसंख्या नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु यह पखवाड़ा 11 जुलाई से आरंभ होकर 24 जुलाई 2023 तक चलेगा। यह जानकारी सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस एक अवसर है जो कि प्रजनन स्वास्थ्य के महत्व तथा पूरे जीवन को नियोजित करने हेतु प्रेरित करता है। यह जरूरी हो जाता है कि इस दिवस के उपलक्ष्य पर परिवार नियोजन कार्यक्रम के महत्व तथा इससे जुड़ी उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार जन मानस तक किया जाए। भारत सरकार द्वारा प्रेषित विश्व जनसंख्या दिवस पखवाड़े 2023 की थीम है कि आजादी के अमृत महोत्सव मे हम लें ये संकल्प, परिवार नियोजन को बनाएगें, खुशियों का विकल्प। उन्होंने यह भी बताया कि यह पखवाड़ा दो चरणों मे मनाया जाएगा। पहला दंपत्ति संपर्क पखवाड़ा- 27 जून से 10 जुलाई 2023 तक (जो मनाया जा चुका है) दूसरा सेवा प्रदाएगी चरण - यह चरण 11 जुलाई से आरंभ हो रहा है। इस दौरान बढ़ती हुई जनसंख्या को नियंत्रित करने व सीमित परिवार के लाभ से आम जन मानस को जागरूक करने के उद्देश्य से जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न सेवाओं व कार्यक्रमों आयोजन किया जा रहा है। जिनके माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक परिवार नियोजन की सेवाओं को पहुंचाया जाएगा।

परिवार नियोजन संबंधित यह उपलब्ध रहेंगी सुविधाएं

पखवाड़े के दौरान परिवार नियोजन संबंधी विभिन्न विधाओं की समस्त सेवाओं जैसे पुरुष एवं महिला नसबंदी, अंतराल एवं प्रसवोत्तर आईयूसीडी निवेशन, नवीन गर्भ निरोधक अंतरा व छाया, ओरल पिल्स इत्यादि सेवाएँ समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध रहेंगी। पुरुष एवं महिला नसबंदी की सेवा हेतु नियत सेवा दिवस (कैंप आयोजित किए जाएंगे। जिसमे जनपद के विभिन्न सर्जनो द्वारा सेवा प्रदान की जाएगी। साथ ही परिवार नियोजन के महत्व से परिचित करने हेतु अन्य कार्यक्रम जैसे सास बेटा बहू सम्मेलन, सारथी वाहन का संचालन, आशीर्वाद अभियान संचालित किया जाएगा।

बीते तीन वर्षों में महिला व पुरुष नसबंदी में जिले ने हासिल की उपलब्धि - सीएमओ

सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि महिला व पुरुष नसबंदी सेवा में जिले ने बीते 3 वर्षों में उपलब्धि हासिल की है। अगर बात करें महिला नसबंदी की तो 2020 में 5861 महिलाओं ने नसबंदी कराई थी। 2021 में 6125 और 2022 में 6662 महिलाओं ने नसबंदी कराई है। इसी तरह पुरुष नसबंदी में 2021 में 25 पुरुषों ने, 2021 में 6 पुरुषों ने और 2022 में 24 पुरुषों ने नसबंदी कराई है। इसी तरह गर्भनिरोधक संसाधनों का भी उपयोग जनपद में बड़ा है जो एक अच्छे संकेत हैं।

गन्ना भुगतान को लेकर सत्याग्रह की तैयारियों पर हुई चर्चा

20 जुलाई को होगा गन्ना भुगतान के लिए सत्याग्रह

गन्ना समिति में पंचायत के दौरान मौजूद किसान

मेरी जुबान - संवाद्दाता

गोला-खीरी। सहकारी गन्ना विकास समिति प्रांगण में सोमवार को राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन के बैनर तले किसानों ने पंचायत की। इसमें जिले की बजाज चीनी मिलो से गन्ना भुगतान की मांग को लेकर 20 जुलाई से शुरू होने वाले सत्याग्रह की तैयारियों पर चर्चा हुई। पंचायत में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्री कृष्ण वर्मा ने बताया कि बजाज की चीनी मिलें गन्ना किसानों का भुगतान नहीं कर रही हैं इसलिए संगठन को आंदोलन करने को विवश होना पड़ रहा है। जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है किंतु उसे गन्ना किसानों का भुगतान कराने की कोई चिंता नहीं है यदि यही हाल रहा तो गन्ना किसान चुनाव में नोटा दबाएगा। इस बार गन्ना भुगतान लेकर ही आंदोलन समाप्त होगा। पंचायत में प्रदेश उपाध्यक्ष शिवदयाल वर्मा, नगर अध्यक्ष राहुल वर्मा, सर्वेश वर्मा, रामनिवास वर्मा, जीवन लाल, बाबूराम, चंद्र कुमार, दिनेश, सर्वेश सिंह, राजेंद्र यादव, इन्साद अली, मोहम्मद कमर, विपिन कुमार वर्मा, रविंद्र वर्मा, वीरेंद्र कुमार मिश्रा सहित भारी संख्या संगठन के पदाधिकारी और किसान मौजूद रहे।

समस्याओं को लेकर अभिभावकों ने किया प्रदर्शन

कई स्कूल दूसरी जगह शिफ्ट किए जाने से बच्चो को हो रही समस्या

सम्भल। परिषदीय स्कूलों को दूसरो स्थानो पर शिफ्ट कर दिये जाने समेत विभिन्न समस्याओं को लेकर बच्चो के माता-पिता व अभिभावकों ने पालिका परिसर पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होने उपजिलाधिकारी के नाम लिखे मांग पत्र मे अपनी मांगे भी पढ़कर सुनाईं। अभिभावकों ने अपनी मांगे शीघ्र पूरी करने की मांग की। सोमवार को नगर पालिका में संभल सब्जी मंडी नगर में सरकारी स्कूल को दूसरी जगह दुर एक कमरे में संचालित कर बच्चों को पढ़ाने के लिए शिफ्ट करने को लेकर शेर खां सराय, चमन सराय, पंजू सराय, बेगम सराय,की महिलाओं ने एकत्रित हो किया प्रदर्शन उप जिला अधिकारी के लिए प्रार्थना पत्र नगर पालिका में दिया बच्चों के माता- पिता का कहना है कि सब्जी मंडी नगर में जो स्कूल चल रहा था उसको अन्य स्थान पर एक कमरे में संचालित कर दिया गया है स्कूल में छोटे-छोटे बच्चे होने के वजह से इतनी दूर जाना मुनासिब मुमकिन नहीं है इसलिए सब्जी मंडी नगर स्कूल में जो कमी है उसको दुरुस्त करा दिया जाए क्योंकि इस स्कूल में सभी गरीब बच्चे पढ़ते हैं जिनका भविष्य अंधकार में जा रहा है और बच्चे पढ़ नहीं पा रहे हैं क्योंकि इतनी दूर बच्चे जा नहीं सकते जिसको लेकर बच्चों के अभिभावकों में रोष है इसी के चलते मार्च से लेकर अभी तक कोई सुनवाई न होने के कारण दो दर्जन से ज्यादा महिलाएं 4 मोहल्ला से एकत्रित होकर नगर पालिका में आकर सामूहिक रूप से इकट्ठे होकर प्रदर्शन किया और पहले की तरह ही नगर सब्जी मंडी का स्कूल संचालित किया जाए। प्रदर्शन करने वाली महिलाओं में रेहाना ,नरगिस ,शहाना परवीन, रेशमा, महशर ,रुखसाना ,शादाब जहां, नाजमीन , समरीन ,नगमा, नसरीन, शमा, गुलिस्ता, निशा ,फरीदा ,अंजुम , शाईना इत्यादि महिलाएं रही।

विधायक पिंकी यादव ने जिलाधिकारी से की सड़कें दुरूस्त कराने की मांग

सम्भल। असमोली से सपा विधायक पिंकी यादव ने डीएम को लिखे पत्र में अपने विधानसभा क्षेत्र समेत जनपद संभल के अन्य उन क्षेत्रों में हर घर पेयजल योजना के अन्तर्गत बिछाई गईं पाईप लाईनो के कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों व रास्तों की मरम्मत कराये जाने की मांग की। विधायक ने इस काम को शीघ्र कराए जाने की मांग के साथ कहा कि पाईप लाईन बिछने से क्षतिग्रस्त सड़को व रास्तों के खराब होने से अत्याधिक वर्षा के चलते आए दिन दुर्गटनाएं हो रही हैं। असमोली से सपा विधीयक पिंकी यादवे डीएम मनीष बंसल को लिखे मांग पत्र में घर-घर पेयजल योजनातंर्गत काम करने वाले विभागीय अधिकारियों की लापरवाही उजागर करते हुए कहा है कि संबंधित योजना के बजट में पाईप लाईन बिछाए जाने के साथ कार्य के दौरान होने वाली सड़को व रास्तो की क्षति मरम्मत का बजट भी शामिल है ,लेकिन विभागीय अधिकारी टूटी सड़को व रास्तो की मरम्मत न करा उनकी व सरकार की छवि खराब करने व विकास कार्य को पलीता लगाने का काम कर रहे हैं। पिंकी यादव ने डीएम से मांग करते हुए कहा कि अत्याधिक वर्षा के चलते उनके विधानसभ क्षेत्र व जनपद के अन्य क्षेत्रों मे जहां पाईप लाईन बिछ चुकी हैं या बिछाई जा रही हैं , वहां पाईप लाईन बिछने के कारण क्षतिग्रस्त होने वाली सड़को व रास्तो की मरम्मत अतिशीघ्र कराए जाने के संबंधित विभाग को आदेश करें। गौरतलब है कि घर-घर पेयजल योजना अन्तर्गत जिन क्षेत्रो मे पाईप लाईन बिछाने के चलते टूटी सड़को व रास्तो की मरम्मत नही होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं जिनमे अब तक क ग्रामीण घायल हो चुके हैं।

शरजील खान बने सीए,बधाई देने वालों का लगा तांता

सम्भल। नगर के मोहल्ला कोट गर्बी निवासी शाने आलम के पुत्र व राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन के भतीजे शरजील खान उर्फ इफ्तेखार अशफ के सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर घर और शहर भर में हर्ष का माहौल है। राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज खान ने बताया कि साजिद खान बचपन से ही पढ़ने में मेधावी रहा है। उसकी पढ़ाई में कभी किसी प्रकार की परेशानी नहीं आई। अथक परिश्रम करने के बाद सीए अर्थात चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा पास करना शहर भर के लिए गर्व की बात है। ज्ञात रहे शरजील खान ने शुरूआती शिक्षा शहर के बाल विद्या मंदिर स्कूल से हासिल की। इसके बाद वह सीए की परीक्षा की तैयारियों के लिए दिल्ली चले गए और अथक परिश्रम के बाद सीए की परीक्षा पास की। इस अवसर पर घर वालों ने शरजील खान का फूल मालाओं से स्वागत किया और मुंह मीठा कराया। बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

25 जुलाई को आयोतिजत होगा प्रांतीय विद्वत सम्मेलन:डॉ.सुरजीत कौशिक

सम्भल। भारतीय इतिहास संकलन समिति ने 25 जुलाई को संभल के विक्रम पैलेस में प्रांतीय विद्वत सम्मेलन आयोजित करने का सर्वसम्मति निर्णय लिया है। सम्मेलन में राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ बालमुकुंद पांडे मुख्य अतिथि के रूप में रहेंगे। भारतीय इतिहास संकलन समिति ने आज गूगल मीट एप पर ऑनलाइन बैठक करके प्रांतीय विद्वत सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया। बैठक में जिला सह मंत्री सत्यवीर सिंह ने प्रस्ताव रखा कि संस्था के माध्यम से प्रांतीय विद्वत सम्मेलन आयोजित किया जाए। उपाध्यक्ष अत्यंत त्यागी ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए प्रांतीय नेतृत्व से वार्ता की। तत्पश्चात बैठक की अध्यक्षता कर रहे डॉ सुरजीत कौशिक ने घोषणा की कि 25 जुलाई को नगर के विक्रम पैलेस में प्रांतीय विद्वत सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें समिति के राष्ट्रीय संगठन मंत्री हिस्सा लेंगे। उत्तर प्रदेश की माननीय शिक्षा मंत्री श्रीमती गुलाब देवी का कार्यक्रम भी तय हो गया है।

विकास कार्यों की समीक्षा में अफसरों के कसे पेंच

शासन की प्राथमिकता वाले विकास कार्यक्रमों की डीएम ने की समीक्षा

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को हुई विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में डीएम महेन्द्र बहादुर सिंह ने अधिकारियों के पेंच कसे। डीएम ने शासन की मंशा के अनुरूप विकासपरक कार्यक्रमों जन कल्याणकारी योजनाओं व लाभार्थी परक कार्यक्रमों को समय से पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ पूरा करने की हिदायत दी। डीएम ने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्थाओं व प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियमित रूप से कार्यस्थल का निरीक्षण कर परियोजनाओं को पूर्ण कराये साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि जो प्रोजेक्ट पूर्ण हो गये हैं उन्हें उपयोग में भी लाया जाय। ऑनगोइंग प्रोजेक्ट्स को निर्धारित मानक व समयबद्धता के साथ पूर्ण कराये तथा धनाभाव के कारण अपूर्ण परियोजनाओं के लिए अवशेष धनराशि की मांग करें। डीएम ने कहा कि सभी अधिकारी टीम भावना से काम करते हुए विकास कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएं। विकास कार्यक्रमों का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन गुणवत्ता व समयबद्धता से सुनिश्चित हो। डीएम ने 50 लाख की लागत से ऊपर के विकास कार्यों की बृहद समीक्षा की, डीएसटीओ को निर्देश दिए कि 50 लाख से ऊपर की परियोजनाओं में गठित कमेटी निमार्णाधीन कामों का विजिट कर सत्यापन करते हुए गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित कराए। अद्यतन रिपोर्ट सीडीओ, डीएसटीओ के माध्यम से उन्हें अवगत कराए। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों का स्वयं भी समय-समय पर अनुश्रवण कराना सुनिश्चित करें। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि विभागीय अधिकारी बैंकों से समन्वय कर ऋण पत्रावलियों को समय से निस्तारण कराते हुए ऋण की वितरण भी सुनिश्चित कराये ताकि लाभार्थी अपना रोजगार शुरू कर सके। निर्देश दिए कि सभी अधिकारी सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं, ताकि पात्र व्यक्ति योजनाओं से जुड़कर भविष्य को संवारे। बैठक में पीएम आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मनरेगा, पीएम ग्राम सड़क योजना, सामुदायिक शौचालय, पंचायत घर, ग्राम निधि भुगतान, सीएम कन्या सुमंगला योजना उप्र मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, सीएम नारी सम्मान योजना, ऑपरेशन कायाकल्प सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की एवं संबंधित को जरूरी निर्देश दिए।

सावन का पहला सोमवार, शिवालयों में भक्तों की लगी लंबी कतार

बम-बम भोले, हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान रहे शिवालय

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। सावन के पहले सोमवार को जिले के सभी शिव मंदिरों पर शिव भक्तों का सुबह से ही तांता लगा रहा। महादेव एवं बम भोले के जयकारों से पूरा जिला गुंजायमान रहा। छोटी काशी के पौराणिक शिव मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। हर-हर महादेव और बम भोले के उद्घोष से तीर्थ और मंदिर परिसर गूंज उठा। शिव भक्तों ने बेलपत्र, धतूरा, भांग, शमीपत्र, दूध, प्रसाद चढ़ाकर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ से परिवार की खुशहाली के लिए कामना की। इसके अलावा जिले के सभी प्रमुख शिवालयों में जलाभिषेक के लिए भक्त उमड़े। ओयल स्थित प्राचीन मेंढक मंदिर में भी भक्तों की भीड़ रही, लिलौटी नाथ मंदिर, टेढ़ेनाथ मंदिर सहित अनेकों शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रहीं। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहा। सावन के प्रथम सोमवार को भोर के प्रहर से पैराणिक शिव मंदिरों के कपाट खोल दिए गए। इनमें गोला गोकर्णनाथ शिव मंदिर, ओयल स्थित मेढ़क मंदिर, लिलौटी नाथ, टेढ़ेनाथ, नक्की बाबा, देवकली, जंगली नाथ, भुइफोरवानाथ सहित शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित शिव मंदिरों के कपाट खुलने पर श्रद्धालुओं ने विल्वपत्र, शमीपत्र, भांग, धतूरा, अक्षत, शहद, घी, शकर, दही, दूध, पुष्प, गंगाजल अर्पित कर भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर मनौती मांगी। सुबह होते ही मंदिरों पर काफी दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग रहीं। सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल मुस्तैद रहा।

लिलौटी नाथ मंदिर में लगी भक्तों की लंबी लाइन

लोकसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय लोक दल ने बनाई रणनीति

सम्भल। सोमवार को राष्ट्रीय लोकदल रूहेलखण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले जिले सम्भल में एक जिला कार्यकारणी की बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष सम्भल कैसर अब्बास की अध्यक्षता मैं हुई जिसमे मुख्य अथिति रूहेलखण्ड क्षेत्र के अध्यक्ष चौधरी रामवीर सिंह रहे बैठक मैं आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई और किस प्रकार संगठन को बूथ और यूथ स्तर पर पहुंचाया जाए इस मोके पर उपस्थित मुरादाबाद जिला अध्यक्ष मनोज चौधरी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष राजवीर गुर्जर , अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष मोहम्मद रफी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मौजजम ख़ान अरेन्द्र सिंह ,पूर्व जिला अध्यक्ष युवा जोगेन्द्र सिंह, मनसफ़ चौधरी प्रधान मकदूमपुर, युवा नेता विमल चौधरी, धीरेन्द्र सिरोही ,सुनील मुखिया युवा नेता ,युवा नेता अनुज चौधरी, युवा नेता अर्जुन सिंह, शफ़ीक़ मलिक, वीर सिंह, ज़ोहर अब्बास, तासीम चौधरी आदि मौजूद रहे।

गुन्नौर में खुंखार बंदरों का आतंक नागरिक परेशान

सम्भल। गुन्नौर नगर पंचायत क्षेत्र में बंदरों के आतंक से नगरवासी परेशान हैं। अब तब बच्चों के साथ ही बुजुर्गो को बंदरों के काटने की डेढ़ दर्जन से अधिक घटनाएं घटित हो चुकी हैं। पैदल रास्तों पर चलना भी खतरे से खाली नहीं है। वहीं नगर पंचायत ने भी बंदरों से निजात दिलाने में हाथ खडे. कर दिए हैं। गुन्नौर नगर क्षेत्र के अन्तर्गत 14 वार्ड आते हैं। इन सभी वार्डो में बंदरों का आतंक छाया हुआ है। सबसे ज्यादा समस्या स्कूल जाने वाले बच्चों की है। बदायू हाईवे को जोड़ने वाले जुलेपुरा पुलिया पर हर समय बंदर डेरा जमाए रहते हैं। सड़क पर आवाजाही करने वाले लोगों के सामान पर यह झपट जाते हैं। कई बार सामान छीनने के लिए यह लोगों को काटने से भी गुरेज नहीं करते। पैदल रास्तों पर बंदरों के झुंड देखकर लोग अकेले जाने से भी कतराने लगे हैं। बंदरों के आतंक के पीछे नगर पंचायत की उदासीनता भी काफी हद तक जिम्मेदार है।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापर मंडल ने की कावड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा

मेरी जुबान - गोला संवाद्दाता

गोला-खीरी। सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए दूर दराज से कावड़ लेकर आने वाले भक्तों पर पुष्प वर्षा की गयी। सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू के आवाहन पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष अरूण कुमार अवस्थी के नेतृत्व में पहले सोमवार को कावड़

लेकर आ रहे भक्तों के ऊपर पुष्प वर्षा की गयी। इस दौरान उद्योग व्यापार मंडल के कार्यकर्ता व व्यापारी नगर पालिका में एकत्रित होकर गंगाजल ला रहे श्रद्धालुओं के ऊपर नगर सीमा पर पुष्प वर्षा की। जिला अध्यक्ष अरुण अवस्थी ने कहा की गोला गोकरण नाथ नगर हमेशा से गंगा जमुनी तहजीब की एक मिसाल रहा है और मौजूद व्यापारियों में सभी वर्ग सभी धर्म के लोगों ने एक साथ आकर कावड़ियों के ऊपर पुष्प वर्षा करके इसी गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखा है। कार्यक्रम में सुरजन लाल वर्मा, लियाकत अली, शकील अहमद, अली हुसैन, राजीव अवस्थी, अवधेश बाजपेई, बबलू राजपूत, अशोक तिवारी, किशन सोनी, नरेश चौरसिय,ा समीर खान, रिंकू पांडे, सुनील वर्मा, गुंजन मिश्रा, विशेष वर्मा, शत्रुघ्न मिश्रा, राजेश अवस्थी, सभासद सुनील शर्मा, मनीष वर्मा, सरफराज खान, सत्यपाल वर्मा, आरिफ खान, कालिका गुप्ता, आशु, आशीष कुमार, निर्मल वर्मा, गुड्डू खान, विकास मिश्रा, मोहनलाल वर्मा, अनुराग सिंह सहित नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अलअमीन एजूकेशन वेलफेयर सोसायटी ने छात्रा को शिक्षा के लिए दी नकद धनराशि

सम्भल। सोमवार को सम्भल पोस्ट ऑफिस निकट स्थित स्काइलिमिट इंस्टिट्यूट में नेहा अखलाक को आगे कि शिक्षा ग्रहण करने के लिए 5100 चेक द्वारा राशि प्रदान कराई मुहम्मद शारिक जीलानी ने बताया कि अल अमीन एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में छात्रा नेहा अखलाक को अल अमीन सोसाइटी कि महिला विंग कि सरपरस्त श्रीमती मीना बेगम सहायक अध्यापिका के सहयोग से नेहा अखलाक ने ग्रुप कक्षा नौ से बारह तक ग्रुप लेवल में फैज गर्ल्स इंटर कॉलेज कि कक्षा 12 कि छात्रा है वह सर सय्यद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया प्रतियोगिता कराने का मकसद छात्र छात्राओं को आगे की पढ़ाई करने के लिए इस तरह से अवसर प्रदान करती है ताकि प्रतियोगिता में शामिल हो कर जो भी परीक्षा को ग्रुप लेवल के माध्यम से उत्तीर्ण करेगा वह इस लाभ के लायक होगा उसको राशि दी जाएगी और आगे की शिक्षा ग्रहण कर सकें चेक द्वारा 5100 रुपए धनराशि के माध्यम से नेहा अखलाक डॉटर ऑफ मोहम्मद अखलाक निवासी सराय तरीन सम्भल को राशि प्रदान की गई ताकि छात्रा को आगे की शिक्षा ग्रहण करने में दिक्कत ना हो सोसाइटी हमेशा से छात्र छात्राओं के भविष्य के लिए काम कर रही है आगे भी इसी तरीके से छात्र छात्राओं के हित के लिए काम करेगी अन्य और समाज में जनता को जागरूक करने के लिए शिक्षा एवं स्वस्थ द्वारा के माध्यम से लोगों को सहायता पहुंचाने का कार्य करेगी सोसाइटी ब्लड डोनेट, साफ सफाई अन्य विभाग में काम कर रही है आगे भी करती रहेगी इस दौरान मौजूद रहे मीना बेगम, मुहम्मद शारिक जीलानी, मेहरान उल इस्लाम, आकिब रजा, हसन कमाल, हाजी शकील अहमद खान, नाजिर खान आदि मौजूद रहे।

स्माजसेवी डॉ. सुधा सक्सैना ने किया दुनिया को अलविदा

नगर मे शोक की लहर छायी , समाजसेवी संस्थाओं की ओर से शोक संवेदनाएं

सम्भल। वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. सुधा सक्सैना का रविवार की शाम लम्बी बीमारी के बाद निधन हुआ। डॉ. सुधा सक्सैना के निधन से जहां चिकित्सक समाज मे शोक की लहर छाई है, वहीं समाजसेवा व धार्मिक क्षेत्र से जुड़े लोग भी गमजदा हैं। डॉ. सुधा सक्सैना के सोमवार को हुए अंतिम संस्कार में नगर की बड़ी-बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। नगर की प्रसिद्ध समाजसेवी एवं चिकित्सक डॉ. सुधा सक्सैना पिछले लगभग 50 वर्षों से क्षेत्र व समाज की सेवा कर रही थी। वह संभल नगर की प्रथम पोस्ट ग्रेजुएट गायनोकोलॉजिस्ट थीं। संभल जनपद क्षेत्र में अनेक साहित्यिक, सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के संचालन के साथ-साथ सुशीला सक्सैना मेटरनिटी हॉस्पिटल की संस्थापक व संचालक थीं। डॉ. सुधा सक्सैना कैंसर जैसी घातक बीमारी से पीड़ित थीं। उच्च स्तरीय इलाज और सुविधा के साथ जीवन मृत्यु से संघर्ष करते हुए रविवार की संध्या उन्होंने हार मान ली।

दो चरणों में योगी सरकार करेगी खरीफ फसलों की 'ई-पड़ताल', किसानों को होगा बड़ा लाभ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में अन्नदाता किसानों को सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने की दिशा में प्रयासरत योगी सरकार ने केंद्र की एग्रीस्टैक योजना को प्रदेश में वृहद स्तर पर लागू करने की कार्ययोजना पर काम करना शुरू कर दिया है। केंद्र द्वारा फसलों के निरीक्षण व किसानों को लाभ पहुंचाने के दृष्टिगत एग्रीस्टैक योजना की शुरूआत की गई है जिसका उद्देश्य देश में फसलों का एक केंद्रीयकृत डाटाबेस तैयार करना है। यह डाटाबेस किसानों के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन की तरह काम करेगा जहां उन्हें फसलों संबंधी समस्याओं के निराकरण, सरकारी अनुदान व प्रशस्ति प्रबंधन और विस्तृत बाजार तक पहुंच जैसी अनेकों सुविधाएं मुहैया हो सकेंगी। इसी तर्ज पर कार्य करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश में 'ई-पड़ताल' सर्वे को अंजाम देने की विस्तृत रूपरेखा पर कार्य शुरू हो गया है। 10 अगस्त से होगी सर्वे की शुरूआत खास बात ये है कि मौजूदा खरीफ सीजन के मध्य राज्य में इस सर्वे को अंजाम देने के लिए 3 करोड़ से ज्यादा कृषि योग्य रजिस्टर्ड भूमि को चिन्हित किया गया है। यह सर्वे 10 अगस्त से 25 सितंबर के बीच दो चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में 21 जबकि दूसरे चरण में 54 जिलों में 'ई-पड़ताल' सर्वे को अंजाम देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए पहले ही राज्य, जिला व तहसील समेत कुल 4 स्तरीय समितियों का गठन हो चुका है। इसके अंतर्गत मुख्य सचिव खुद स्टीयरिंग कमेटी की अध्यक्षता करेंगे जबकि अन्य समितियां इंप्लीमेंटेशन समिति के अंतर्गत कार्य करेंगी। सर्वे को अंजाम देने के लिए सभी स्तरों पर ट्रेनिंग, मॉनिटरिंग व मेंटोरिंग जैसे अहम पहलुओं को क्रियान्वित करने के उद्देश्य से कार्यशाला व बैठकों के आयोजन का दौर निरंतर जारी है। 6 सूत्रीय लाभ का जरिया बनेगा 'ई-पड़ताल' 'ई-पड़ताल' को प्रदेश में महज एक फसलों का डाटा एकत्रित करने वाले सर्वे के तौर पर नहीं बल्कि 6 सूत्रीय लाभ का जरिया मानकर क्रियान्वित करने की रूपरेखा रखी गई है।

केजीएमयू के आरएएलसी सेंटर में खोला गया एचआरएफ काउंटर

लखनऊ । राजधानी के किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) स्थित पुनर्वास और कृत्रिम अंग केंद्र (आरएएलसी) में हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड (एचआरएफ) का काउंटर खुल गया है। इस काउंटर के खुल जाने से कई विभागों के मरीजों को फायदा होगा। अब मरीजों को महंगे दरों पर दवायें खरीदने से राहत मिलेगी। उन्हें सस्ते दर पर दवायें मिल सकेंगी। दरअसल,केजीएमयू कें आरएलसी सेंटर में तीन से अधिक विभाग हैं। जहां पर इलाज के लिए आये मरीजों को अभी तक बाहर की दुकानों से दवा लेनी पड़ती थीं,लेकिन अब यहां के परिसर में केजीएमयू प्रशासन की तरफ से एचआरएफ काउंटर खोल दिया गया है। इसके बाद आर्थोर्पेडिक, गठिया, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) समेत अन्य विभाग में इलाज के लिए आये मरीजों को सस्ते दरों पर दवायें मिल सकेंगी। केजीएमयू एचआरएफ के चेयरमैन प्रो.विजय कुमार ने बताया है कि इस काउंटर पर दवाओं के साथ इंप्लांट भी उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गई है।

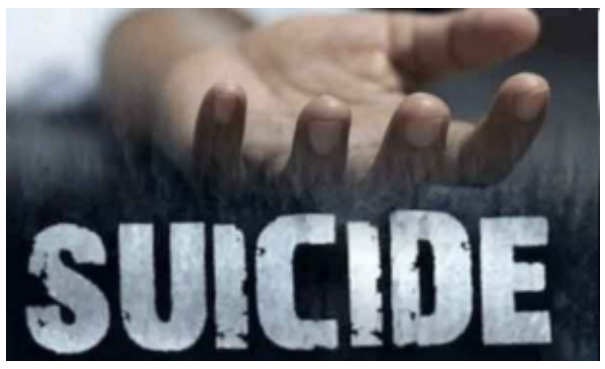

फैजुल्लागंज में महिला कांस्टेबल ने की आत्महत्या, मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक महिला कांस्टेबल के सुसाइड करने का मामला सामने आया है। मड़ियांव के फैजुल्लागंज इलाके में सोमवार को एक महिला कांस्टेबल ने आत्महत्या कर लिया है। चौक थाने में तैनात महिला कांस्टेबल साक्षी के सुसाइड करने के बाद पुलिस

विभाग में हड़कंप मच गया है। हालांकि अभी आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। बता दें कि सोमवार को मड़ियांव के फैजुल्लागंज इलाके में चौक थाने में तैनात महिला कांस्टेबल साक्षी ने आत्महत्या कर लिया है। वहीं आत्महत्या की सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि महिला कांस्टेबल के सुसाइड करने का कारण अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की छानबीन की जा रही है। घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की सच्चाई सामने आएगी। वहीं आत्महत्या की सूचना मिलते ही मौके पर कई पुलिस के आलाधिकारी पहुंचे।

ऑपरेशन ऑल आउट ने किया अपराधियों की नाक में दम

लखनऊ । शहर में अपराध का ग्राफ कम करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए नये संयुक्त पुलिस आयुक्त (जेसीपी) अपराध एवं मुख्यालय आकाश कुलहरि ने ऑपरेशन ऑल आउट शुरू किया है। शनिवार रात से लेकर आगामी एक सप्ताह तक चलने वाले इस क्रिमिनल सर्च अभियान को लेकर अपराधियों में खलबली मच गई है। जेसीपी आकाश कुलहरि ने बताया कि इस ऑपरेशन ऑल आउट के दौरान लखनऊ कमिश्नरेट अंतर्गत सभी थानों में प्रतिदिन दो रैंडम जगहों पर चेकपोस्ट लगाई जाएंगी। इस चेकपोस्ट पर सघन तरीके से आर्म्स चेकिंग, लिकर चेकिंग, मादक पदार्थों को लेकर चेकिंग आदि होगी। इसके अलावा प्रत्येक थाना क्षेत्र में शाम से लेकर रात तक सघन पेट्रोलिंग की जाएगी। किसी भी संदिग्ध के मिलने पर तत्काल हिरासत में लिया जाएगा। अभियान के तहत रविवार को कई लोगों को हिरासत में लिया गया और चालानी कार्रवाई की गई। सीसीटीवी से रात भर होगी निगरानी जेसीपी ने बताया कि इस अभियान को और भी प्रभावी बनाने के लिए कंट्रोल रूम से शहर के सभी सीसीटीवी

कैमरों से दिन भर निगरानी की जाएगी। इसके लिए तीन शिफ्ट में टीमों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा प्रमुख जगहों पर ड्रोन से भी निगरानी होगी। इंटरसेप्टर वाहन का भी उपयोग किया जायेगा। शाम में सभी थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी संगत क्षेत्रों में पैदल मार्च करेंगे। संगठित अपराध गिरोहों पर निशाना जेसीपी ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से संगठित अपराध के गिरोहों जैसे लूट, छिनैती, चोरी, तस्करी आदि के अपराधियों की धरपकड़ करने पर फोकस है। इसके अलावा वांछित अपराधियों, पेशेवर अपराधियों को पकड़ने का प्रयास है। इस अभियान से चोरी, लूट, छिनैती आदि की घटनाओं में काफी कमी आएगी। ऑपरेशन ऑल आउट के चलते बाल-बाल बची ज्वेलरी शॉप ऑपरेशन ऑल आउट के चलते रविवार को अलीगंज में चोरों के मंसूबे नाकामयाब हो गये। दरअसल अलीगंज स्थित कंचन ज्वेलर्स नामक एक आभूषण दुकान में रविवार रात बाइक सवार दो चोर शटर को काटने का प्रयास कर रहे थे। तभी दुकान में लगा अलार्म बजने लगा। इसी दौरान पेट्रोलिंग टीम को आता देख, चोर मौके से सरपट भाग खड़े हुए। दुकान के मालिक को फोन कर सूचित किया गया। अलीगंज प्रभारी निरीक्षक नागेश उपाध्याय ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

विश्व दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगज होगें सम्मानित

मेरी जुबान - संवाददाता

पीलीभीत। दिव्यांगजनों एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों/सेवायोंजकों को प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रों में पुरस्कार प्रदान किये जायेगो। स्वतः रोजगार दक्ष दिव्यांग व्यक्ति/कर्मचारी, उत्कृष्ट दिव्यांग कर्मचारी, उत्कृष्ट सेवायोजक एवं प्लेसमेंट अधिकारी, व्यक्ति विशेष हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट संस्था हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट रोल मॉडल हेतु पुरस्कार, दिव्यांगों के लिये बाधारहित वातावरण के निर्माण के लिये पुरस्कार, दिव्यांगों के पुनर्वास के क्षेत्र में कार्य के लिये उत्कृष्ट जनपद, उत्कृष्ट लोकल लेवल कमेटी के लिये पुरस्कार, उत्कृष्ट चैनेलाइजिंग एजेंसी हेतु पुरस्कार, असाधारण सृजनात्मक कार्यो हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट ब्रेल प्रेस हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट एसेसेबल वेबसाइट हेतु पुरस्कार एवं दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत उत्कृष्ट स्वैच्छिक संस्था को पुरस्कार प्रदान किये जायेगें।

दिव्यांगता के उपरोक्त क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार इस वर्ष 03 दिसंबर 2023 को अंतरराष्ट्रीय विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर गाइडलाइन तथा आवेदन हेतु प्रपत्र विभाग की वेबसाइट ६६६.४स्त्रँद्द.ङ्ग्प्.ल्ल. पर प्राप्त किया जा सकता है तथा विभाग के हेल्पलाइन नम्बर 18001801995 से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। आवेदन पत्र अन्तिम दिनांक 30.07.2023 तक तीन प्रतियों में आमंत्रित किये जायेंगे तथा अधिक जानकारी के लिए जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कक्ष संख्या 01 भूतल विकास भवन पीलीभीत से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सूचना प्राप्त की जा सकती है।

उद्यम रजिस्ट्रेशन महाअभियान के लिए विशेष कैंप स्थापित

मेरी जुबान - संवाददाता

पीलीभीत। जिला उद्योग केन्द्र में दिनांक 01.06.2023 से उद्यम रजिस्ट्रेशन महाअभियान चलाया जा रहा है। जिसके लिए उद्योग केन्द्र कार्यालय में विशेष रूप से कैंप स्थापित किया गया है। इस कैंप में 05 हेल्प डेस्क बनाए गये है, जिससे लोगों को असुविधा न हो। इस अभियान का लक्ष्य जनपद में वास्तविक रूप से स्थापित इकाईयों एवं उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर पंजीकृत इकाइयों के मध्य व्यापक अंतर को दूर करना है। उद्यम से आशय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम उद्योग, कुटीर उद्योग एवं छोटे, ट्रेडिग तथा सेवा प्रदाता सभी उपक्रमों अधिष्ठानों तथा संस्थाओं से है जो किसी वस्तु के उत्पादन, निर्माण, मरम्मत, असेम्बलिंग, रिपेयरिंग तथा विभिन्न प्रकार की सेवाओं को प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में है। डिप्टी कमिश्नर इण्डस्ट्रीज आत्मदेव ने बताया जनपद में 12500 इकाइयों का रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य रखा गया है इन सभी लोगों को विभिन्न लाभ दिए जाएंगे जैसे उद्यम पंजीकृत व्यक्तियों को रू. 05 लाख तक मुफ्त दुर्घटना बीमा योजना की सुविधा, शासकीय खरीद में एमएसएमई का कोटा आरक्षित एवं एमएसएमई को विभिन्न टेण्डरों में ई0एम0डी0, अनुभव एवं टर्न ओवर में छूट। उन्होंने आगे बताया उद्यम पंजीकरण कराने के लिए वेबसाइट http://udyamregistration.gov.in/ पर निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन करके उद्यम रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट स्वयं जनरेट किया जा सकता है तथा किसी भी जन सेवा केन्द्र, साइबर कैफे पर आवेदन कराकर उद्यम रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जनरेट कराया जा सकता है या फिर किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र पीलीभीत में उपस्थित होकर अपना उद्यम रजिस्ट्रेशन सार्टिफिकेट निःशुल्क जनरेट कराया जा सकता है। यह अभियान 30.06.2023 तक चलाया जाना प्रस्तावित था, परन्तु अब यह अभियान दिनांक 31.07.2023 तक जिला उद्योग केन्द्र कार्यालय द्वारा चलाया जाएगा जिससे ज्यादा से ज्यादा उद्यमियों को लाभ पहुंचाया जा सकें।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका महत्वपूर्ण:दुर्गा शंकर

लखनऊ । मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने एग्री स्टैक (डिजिटल एग्रीकल्चर पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर) के अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे की पड़ताल के कार्य को निष्पादित कराने हेतु कृषि एवं राजस्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कृषि भवन के सभागार में जनपद एवं तहसील स्तर के चयनित मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा जनपदों में सर्वेक्षण करने वाले समस्त कार्मिकों को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ तकनीकी सहयोगी प्रदान किया जाना है। उन्होंने कहा कि सावन माह के प्रथम सोमवार के दिन यह कार्यक्रम प्रारंभ हो रहा है, उन्हें विश्वास है कि इस कार्यक्रम पर शिव की कृपा होगी और संपूर्ण सर्वेक्षण कार्य सफलतापूर्वक निर्विघ्न एवं उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि सभी शिवमय होकर डिजिटल क्रॉप के माध्यम से प्रदेश के विकास में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी बनाए जाने में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है। डिजिटल क्रॉप सर्वे द्वारा फसलवार आच्छादन की सटीक जानकारी प्राप्त हो सकेगी, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि उत्पादों से आय का वास्तविक आकलन संभव हो सकेगा। किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये बार-बार सत्यापन कराने से मुक्ति मिल जाएगी। डिजिटल क्राप सर्वे के डाटा से किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं में त्वरित सत्यापन सुगमता से हो जायेगा। उन्होंने कहा कि सर्वे से कृषि आधारित उद्योग हेतु कृषि उत्पादों के बारे में समय से सटीक जानकारी प्राप्त हो सकेगी, जिसके आधार पर उद्योग स्थापना एवं संचालन में सुगमता हो सकेगी। किसानों को सीधे बिना बिचौलिए के संस्थागत विपणन से जोड़ने का अवसर प्राप्त होगा। क्षेत्र विशेष में बोई गई फसलों हेतु आवश्यक कृषि निवेश कि उपलब्धता हेतु कृषि इनपुट सप्लायर के साथ कृषकों को जोड़ने का अवसर सुगम हो जाएगा। अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर नवोन्मेषी कार्यक्रमों का संचालन संभव हो सकेगा। कार्यक्रम में बताया गया कि उत्तर प्रदेश मे राजस्व परिषद (राजस्व विभाग) द्वारा वर्षों से होने वाले खसरा पड़ताल की ऑफलाइन व्यवस्था का डिजिटलीकरण की प्रासंगिकता के दृष्टिगत वर्ष 2020 में पहली बार ऑनलाईन कराया गया। खतौनी के अंश निर्धारण का कार्य लगभग 70 प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है। भारत सरकार की डीआईएलआरएमपी योजना के अंतर्गत स्कैन किये जाने योग्य नक्शों के डिजिटलीकरण का लगभग 98 प्रतिशत कार्य वर्ष 2022 के अंत तक ही पूर्ण कराकर राजस्व विभाग के भू-नक्शा पोर्टल पर सर्व सुलभ करा दिया गया है।

अभ्यर्थियों को सेना में भर्ती का झांसा देकर ठगने वाले गिरफ्तार

लखनऊ। एसटीएफ ने सेना में भर्ती के लिए मेडिकल टेस्ट पास कराने व फर्जी नियुक्ति पत्र देकर अभ्यर्थियों को लाखों का चूना लगाने वाले एक भगोड़े सैनिक समेत दो लोगों को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। भगोड़े सैनिक के साथ पकड़ा गया दूसरा आरोपी मिशन डिफेन्स एकेडमी का प्रबन्धक है। एसटीएफ के अफसरों के अनुसार यह कार्रवाई मिलिट्री इंटेलिजेंस के लोगों के साथ मिल कर की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में भगोड़ा सैनिक और अकेडमी का प्रबंधक सतीश यादव शामिल हैं। दोनों आरोपी लखनऊ के निवासी हैं। इन दोनों को कमिश्नरेट लखनऊ के थाना बिजनौर इलाके में सीआरपीएफ कैम्प के पास स्थित मिशन डिफेन्स एकेडमी से दबोचा गया। यूपी एसटीएफ व मिलिट्री इन्टेलीजेन्स ने वर्ष 2020 के माह जनवरी में संयुक्त कार्रवाई में भारतीय सेना मे शारीरिक दक्षता पास अभ्यर्थियों को मेडिकल टेस्ट पास कराने के नाम पर धन उगाही करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया गया था। इस गिरोह के कुछ अन्य सदस्यों के विषय में एसटीएफ व मिलिट्री इन्टेलीजेन्स लगातार जानकारी एकत्रित कर रही थी। प्रकरण में जानकारी में एक सैनिक की मिलीभगत की बात सामने आई। मिलिट्री इन्टेलीजेन्स लखनऊ के साथ जानकारी साझा करने पर मालूम हुआ कि साल 2020 में हुये से फर्जी भर्ती प्रक्रिया की कोर्ट ऑफ इनक्वाइरी में पवनराज नामक सैनिक का नाम प्रकाश में आया था। गिरफ्तार अभियुक्त पवनराज ने बताया कि वर्ष 2017 में उसकी आर्मी मेडिकल कोर लखनऊ पोस्टिंग के दौरान पूर्व से धोखाधड़ी कर रहे इस गिरोह में शामिल होकर शारीरिक दक्षता पास मेडिकल टेस्ट मे अनफिट सैकड़ों अभ्यर्थियों को मेडिकल टेस्ट पास करवाकर उन्होंने सेना में भर्ती कराने के नाम पर करोड़ो का फजीर्वाड़ा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

कांवड़ियों की बाइक की टक्कर से कांवड़िया की मौत

वजीरगंज। बिल्सी रोड पर ग्राम व्योली मढ़ी के पास कछला से जल भरकर ला रहे एक कांवड़िया को सुबह चार बजे पीछे से बाइक ने टक्कर मार दी , जिससे उसकी मौत हो गई। जिस बाइक की टक्कर लगने से कांवड़िया की मौत हुई उस बाइक पर भी कांवड़िया सवार थे। वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

करंट लगने से दो बच्चों की मौत

जलालाबाद। क्षेत्र के गांव याकूबपुर में घर के बाहर खेल रहे शरीफ के छह वर्षीय बेटे अयान व चार साल के अरमान की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। दोनों की मौत से परिवार में मातम छाया है। यह घटना सोमवार सुबह आठ बजे की है। शरीफ के घर के सामने बिजली के खंभे के सपोर्ट में लोहे का तार लगा है। बारिश में उसमे करंट उतर आया था। सोमवार को खेलते हुए अयान और अरमान ने तार को पकड़ लिया। करंट लगने से दोनों की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

स्कूटी को रौंदकर यात्री शेड से टकराई प्राइवेट बस, एक की मौत, दो घायल

बदायूं। बिल्सी रोड पर पर भार कुइया भट्ठे के नजदीक सोमवार सुबह एक प्राइवेट बस स्कूटी को रौंदकर यात्री शेड से टकरा गई। इस हादसे में स्कूटी सवार बहनोई चंद्रपाल की मौत हो गई जबकि उसके दो साले घर हो गए। चंद्रपाल मऊ जिले का रहने वाला था। वह दिल्ली में काम करता था। उसकी ससुराल भार कुइया गांव में है। मैं स्कूटी लेकर शहर आ रहे थे इसी दौरान यह हादसा हो गया। दोनों वालों को जिला अस्पताल से रेफर कर दिया गया है। जबकि चंद्रपाल के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

खेत में तारकशी में करंट आने से युवक की मौत

जरीफनगर। जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव रामपुर टप्पा वैश्य में खेत में लगाई गई तारकशी में करंट आने से 38 वर्षीय चरन सिंह की मौत हो गई। चरन सिंह सुबह 7:00 बजे अपने खेत पर धान की सिंचाई करने जा रहा था। रास्ते में एक खेत में तारकशी में करंट आ रहा था। युवक उसी तारकशी की चपेट में आ गया। इसकी सूचना पर पहुंचे परिवार वालों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

11 से 22 जुलाई तक कार्ड धारको को मिलेगा राशन

मेरी जुबान - संवाददाता

पीलीभीत। समस्त राशन कार्ड धारकों को सूचित किया जाता है कि आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग लखनऊ द्वारा पत्र के अनुपालन मे माह जुलाई 2023 में उचित विक्रेताओं द्वारा आवश्यक वस्तुओं का वितरण दिनांक 11.07.2023 से दिनांक 22.07.2023 तक निम्नवत किया जायेगा। अन्त्योदय राशन कार्ड धारकों को गेहूं 14 कि0ग्रा0 प्रति राशन कार्ड, चावल 21 कि0ग्रा0 प्रति राशन कार्ड एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को गेहूं 02 कि0ग्रा0 प्रति यूनिट व चावल 03 कि0ग्रा0 प्रति यूनिट निःशुल्क वितरण किया जायेगा। ऐसे राशन कार्डधारक जिनका कतिपय कारणों से आधार कार्ड नहीं बना है अथवा जिनका अंगूठा/आंखे ई-पॉस मशीन स्वीकार नहीं कर रही है दिनांक 22.07.2023 को मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरिफिकेशन के माध्यम से आवश्यक वस्तुएं प्राप्त कर सकते हैं। सू. वि.

धान खरीद के लिए किसानों का पंजीकरण आवश्यक

मेरी जुबान - संवाददाता

पीलीभीत। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.)/जिला खरीद अधिकारी द्वारा सचिव कृषि उत्पादन मण्डी समिति पीलीभीत/बीसलपुर/पूरनपुर को निर्देशित किया गया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान क्रय के प्रचार प्रसार हेतु जनपद के उपयुक्त स्थानों मंडी यार्डों में फ्लैक्सी बैनर आदि लगवाना सुनिश्चित करें कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान खरीद हेतु किसानों का पंजीकरण अनिवार्य है। धान खरीद हेतु किसानों का पंजीयन कृषकों द्वारा स्वयं खाद्य एवं रसद विभाग उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट www.fcs.up.gov.i»»f पोर्टल पर धान खरीद हेतु कृषक पंजीकरण पर जन सुविधा केन्द्र/इंटरनेट कैफे के द्वारा कराया जायेगा। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य रू. 2183/-प्रति कु0 (कॉमन) एवं रू. 2203/-प्रति कु0 (ग्रेड-ए) है। सू. वि.

दिव्यांगजन सशक्तिकरण शिविरो का आयोजन

मेरी जुबान - संवाददाता

पीलीभीत। दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजनान्तर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में निर्धारित वेब पोर्टल (https://divyangjanup.upsdc.gov.in) के माध्यम से ऑनलाइन संचालित किया जाना है। संचालित कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना से दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण के रूप में ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, वैशाखी, वॉकिंग स्टिक, नेत्रहीन छड़ी एवं श्रवण यंत्र तथा कॉक्लियर इम्लाण्ट/शल्य चिकित्सा हेतु पात्र दिव्यांगजनों को विकासखण्डवार परीक्षण/चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जाना है। उक्त शिविर का आयोजन का समस्त विकासखंड में किया जाना है, विकासखंड बिलसंडा में दिनांक 20.07.2023 को प्रातः 10 बजे से, बीसलपुर में दिनांक 21.07.2023 को प्रातः 10 बजे से, बरखेड़ा में दिनांक 22.07.2023 को प्रातः 10 बजे से, अमरिया में दिनांक 24.07.2023 को प्रातः 10 बजे से, पूरनपुर में दिनांक 25.07.2023 को प्रातः 10 बजे से, ढकिया ता0 महाराजपुर में दिनांक 26.07.2023 को प्रातः 10 बजे से, मुरैना गांधीनगर (शारदा पार) पूरनपुर में दिनांक 28.07.2023 को प्रातः 10 बजे से एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र पीलीभीत (विकासखंड ललौरीखेड़ा एवं मरौरी) में दिनांक 31.07.2023 को प्रातः 10 बजे से कार्य समाप्ति तक आयोजित किया जायेगा। सू. वि.

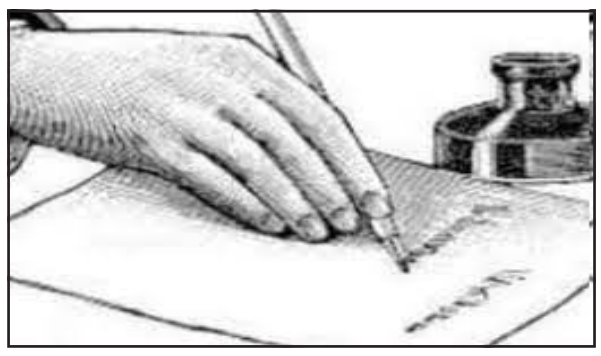

सम्पादकीय

हिंसा की मंशा

पश्चिम बंगाल में कोई चुनाव बिना हिंसा के पूरा हो जाये तो अचरज ही होगा। दशकों से यहां साल-दर-साल चुनावी हिंसा का इतिहास रहा। इस बार के पंचायत चुनावों में भी ऐसा ही हुआ। बड़े पैमाने पर हिंसा के अतिरिक्त आगजनी, बूथ कब्जाने, बैलेट बॉक्स ले जाने व नष्ट करने के साथ जाली मतदान की भी खबरें हैं। शुरूआत में तेरह लोगों की हत्या की बात कही गई, अपुष्ट सूत्रों के अनुसार यह आंकड़ा ज्यादा हो सकता है। हमलों में बम व गोली का इस्तेमाल हुआ है। सवाल उठाया जा रहा है कि केंद्रीय बलों की तैनाती के बावजूद पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हिंसा को क्यों नहीं टाला जा सका। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि हिंसा पश्चिम बंगाल की राजनीति का हिस्सा बन चुकी है, यही वजह कि तमाम प्रयासों के बावजूद इस पर नियंत्रण संभव नहीं हो पाता। इसी वजह से इस बार की हिंसा ने 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिसका उदाहरण सर्वाधिक हिंसा के रूप में दिया जाता था, जिसमें दस लोग मरे थे। कलकत्ता हाईकोर्ट लंबे समय से चुनाव के दौरान हिंसा की आशंका के चलते बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जरूरत बताता रहा है। लेकिन राज्य सरकार इसके पक्ष में नहीं थी। बाद में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के खिलाफ राज्य सरकार व राज्य चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट भी गये, इस मांग को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया था। दरअसल, राज्य सरकार व राज्य चुनाव आयोग की हीला-हवाली के चलते केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती में व्यवधान हुआ। यदि समय रहते उनकी तैनाती होती तो उम्मीद थी कि हिंसा को टाला जा सकता था। दरअसल, केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती न केवल देर से हुई बल्कि संवेदनशील इलाकों में उनकी तैनाती न करने के भी आरोप प्रशासन पर लगे। जिस बात को कलकत्ता हाईकोर्ट लंबे समय से महसूस कर रहा था, उसकी राज्य सरकार ने अनदेखी की। कोर्ट ने ग्यारह जुलाई को चुनाव परिणाम घोषित होने के दस दिन बाद तक केंद्रीय बलों की तैनाती के निर्देश दिये हैं ताकि जीत-हार के तनाव में फिर से हिंसा न हो। दरअसल, कहीं न कहीं राज्य के राजनीतिक दल इन चुनाव परिणामों के निष्कर्ष से आम चुनाव में बढ़त लेने की होड़ में जुटे रहे। यही वजह है कि सभी राजनीतिक दल टीएमसी की भूमिका को लेकर सवाल उठा रहे हैं। भाजपा ने तो राज्य में राष्ट्रपति शासन तक की मांग कर दी है। छह सौ से अधिक बूथों पर फिर चुनाव कराने के चुनाव आयोग के फैसले से साफ है कि किस पैमाने पर धांधली व हिंसा हुई है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सुरक्षा बलों की तैनाती को लेकर हुई देरी और सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में उनकी तैनाती न होने से हिंसा को बढ़ावा मिला। ऐसे में सवाल उठता है कि पिछली सदी में अस्सी के दशक से शुरू हुआ हिंसा का यह सिलसिला आखिर कहां जाकर थमेगा।

पानी-पानी देश और समाज

भारत के अधिकतर राज्य इस वक्त पानी-पानी हो रहे हैं। धरती जलमय हो रही है क्योंकि मानसून अपने पूरे जोश में है। घटाएं खूब उमड़ रही हैं और बरस रही हैं, बादल गरज भी रहे हैं, बरस भी रहे हैं। लेकिन एक-दो हफ्तों की बारिश से जो हाल बेहाल हो रहे हैं, उसमें समाज को शर्म से पानी-पानी हो जाना चाहिए। जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक देश के कई राज्यों में जमकर बारिश हो रही है। देश की राजधानी दिल्ली में तो शनिवार को हुई बारिश ने 40 साल का रिकार्ड तोड़ दिया। दिल्ली की सड़कें और नामी-गिरामी आलीशान रिहायशी इलाकों में अनाम नदियां बहने लगी हैं। देश के कई शहरों को क्योटो, पेरिस, शंघाई जैसे बनाने का दावा करते हुए आखिरकार राजधानी को वेनिस बनाने में कामयाबी मिल ही गई है। अकेले दिल्ली ही नहीं, देश के और तमाम शहर जहां खूब बारिश हुई है, इस वक्त नदियों, झीलों और नहरों के शहर ही नजर आ रहे हैं। क्योंकि बारिश की बूंदों को सहेजने के अपने पारंपरिक ज्ञान को भुलाते हुए हमने तालाबों, बावड़ियों, कुओं के महत्व की उपेक्षा करनी शुरू कर दी। स्मार्ट सिटी और शहरों के सौंदर्यीकरण के पीछे दीवानगी बढ़ती रही। कांक्रीट की आलीशान इमारतों, नकली पेड़-पौधों और उन पर जगमगाती बिजली की लड़ियों में हमारा सौंदर्यबोध सिमट कर रह गया। स्मार्ट बनने के चक्कर में पुरखों के दिए ज्ञान को हमने उपेक्षित करना शुरू किया और अब मूर्खता के जीते-जागते पुतले बनकर हम रह गए हैं। हर साल गर्मी में मरना, फिर बारिश में मरना और ठंड में भी मरना, यही आम हिंदुस्तानियों की नियति बन कर रह गई है। अभी 10-15 दिनों की बारिश में देश भर में कम से कम 30 मौतें हो चुकी हैं, हजारों लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा है। किसी राज्य में येलो अलर्ट है, किसी राज्य में रेड

अलर्ट। कम से कम दो महीने बारिश के और बचे हैं और इन 60 दिनों में और कितने लोग बेमौत मारे जाएंगे, कहा नहीं जा सकता। अभी तीन हफ्तों पहले तक ऐसी ही चर्चा गर्मी और लू के कारण होती थी। उत्तर भारत के कई इलाके लू की चपेट में थे और तब कम से कम 70 मौतें गर्मी की वजह से हो गई थीं। डॉक्टरों की सलाह होती है कि लू से बचने के लिए बाहर न निकलें, बारिश में भी कोई बाहर नहीं रहना चाहता। लेकिन रोजगार के लिए तो बाहर निकलना ही पड़ेगा। असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे लाखों मजदूरों के लिए मौसम देखकर सुविधा से काम करना विलासिता से कम नहीं है। वे ऐसी विलासिता का उपभोग नहीं कर सकते। मौसम की मार से बच जाएंगे तो भूख से मर जाएंगे। इसलिए गर्मी हो या बरसात उन्हें बाहर निकलना ही है। किसानों पर भी यही बात लागू होती है। उन्हें अपनी आजीविका चलाने के लिए खेत में उतरना ही है, चाहे जैसा मौसम हो। मौसम देखकर घर से न निकलना थोड़ी देर की राहत दे सकता है, लेकिन ये उस समस्या का समाधान कदापि नहीं है, जिससे करोड़ों लोग पीड़ित हो चुके हैं। अभी जो बारिश हो रही है, वो मौसम का सामान्य मिजाज है। फिलहाल इसके लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। बारिश में अभी जो मौतें हो रही हैं, वो करंट लगने, कच्चे निमार्णों के टूटने या एकदम से पानी भर आने जैसे कारणों से हो रही हैं। इसके लिए सरकार और प्रशासन जिम्मेदार है। जो करोड़ों-अरबों खर्च करने के बाद भी ऐसा ढांचा विकसित नहीं कर सका, जिसमें बारिश का पानी धरती के नीचे चले जाए। अगर बारिश की हर बूंद को सहेजा जाए, तो फिर गर्मी में उसका भरपूर इस्तेमाल किया जा सकता है। जैसे घरों में आड़े वक्त के लिए पैसे जोड़ कर रखे जाते हैं, वैसे ही बारिश की बूंदों को जोड़कर रखने की जरूरत है। अनुपम मिश्र के शब्दों में कहें तो धरती का गुल्लक भरना चाहिए। तालाबों, कुओं, बावड़ियों को इस वर्षा जल से पुनर्जीवित किया जा सकता है। पुराने जमाने के शासक जनहित के कामों में जलसंरचनाओं के निर्माण को तवज्जो देते थे। भारत में जगह-जगह पुरातात्विक महत्व के तालाब, बावड़ियां, कुएं मिल जाएंगे। मोहम्मद अफजल खान ने लिखा भी है- नाम मंजूर है तो, फैज के असबाब बना, पुल बना चाह, मस्जिद और मेहराब बना। यानी यदि आप अपने नाम को कायम रखना चाहते हैं तो लोक कल्याण के लिए चीजें बनाएंय पुल बनाएं, कुएं खुदवायें और मस्जिदों और मेहराबों का निर्माण करें। आज के शासक और समाज के रसूखदार लोग धर्मस्थल बनवाने में तो आगे हैं, विश्वगुरु बनने के लिए स्मार्ट शहर भी बनाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन कुओं और तालाबों को खुदवाना उनकी प्राथमिकता में नहीं है। हालांकि दावा ये है कि हम मिशन लाइफ चलाकर लोगों को पर्यावरण के तहत जीना सीखा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा में जब उनसे प्रेस कांफ्रेंस में जलवायु परिवर्तन पर सवाल पूछा गया, तो उनका जवाब यही था। श्री मोदी ने कहा था कि हम देख रहे हैं कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण जान का नुकसान तो होता ही है, अधोसंरचना का भी नुकसान होता है। इसलिए हमने सीआरआई एक ग्लोबल संस्था को जन्म दिया है, जिससे ये नुकसान कम हो सकें। श्री मोदी ने बताया था कि उन्होंने और यूएन महासचिव ने मिशन लाइफ की भी शुरूआत की है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को ग्रीन हाइड्रोजन का हब बनाने, सौर ऊर्जा द्वीपीय देशों तक पहुंचाने और कार्बन उत्सर्जन को जीरो करने के प्रयासों के बारे में भी बताया। जी-20 की बैठक हो या कोई और अंतरराष्ट्रीय समागम, जहां कहीं पर्यावरण संरक्षण की बात आती है, भारत सरकार के बड़े-बड़े दावे सुनाई देने शुरू हो जाते हैं। लेकिन बारिश या गर्मी जरा सा मौसम का मिजाज बिगड़ने पर बेमौत मरने वालों के आंकड़े इन दावों की पोल खोल देते हैं। विकास के नाम पर बढ़ते भ्रष्टाचार के कारण हमारे जंगलों, पहाड़ों, नदी-झीलों का जो नुकसान हो रहा है, उस पर अगर सरकार ध्यान देना शुरू कर दे तो फिर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शब्दों के खेल की जरूरत नहीं पड़ेगी, भारत की तस्वीरें ही दुनिया को सच दिखा देंगी।

अंधविश्वास,रूढ़िवादिता और धार्मिक कट्टरता देश की उन्नति के लिए बड़े अवरोध

धार्मिक रूढ़िवादिता,कट्टरपंथी धर्मांधता हमारी प्रगति के बड़े बाधको में से एक है। यह हमारी राहों के कंटक और रोड़े साबित हुए हैं। उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पाना होगा। बुनियादी शिक्षा के प्रचार प्रसार से इसके अवरोधों को जनमानस के माध्यम से दूर किया जाना चाहिए ।जो विषय वस्तु आजाद विचारों मान्यताओं को बर्दाश्त नहीं करती उन्हें समाप्त हो जाना चाहिए, ऐसी अन्य और मानवीय कमजोरियां हैं, जिन पर हमें विजय प्राप्त करनी है। इस कार्य के लिए सभी समुदायों के क्रांतिकारी उत्साही नौजवानों की आवश्यकता है। यह बात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद भगत सिंह ने अपने संगठन नौजवान भारत सभा के लाहौर में प्रकाशित घोषणा पत्र में लिखी थी। शहीद भगत सिंह ने अपने जीवन का बलिदान कर भारत को आजादी दिलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी, पर आजादी के बाद भी भारत का जनमानस उन्हीं अंधविश्वास धर्मांधता तथा रूढ़िवाद पर फंसा हुआ है।और अभी भी इस युग में अंधविश्वास का बोलबाला दिखाई देता है। बिल्ली रास्ता काट दे तो यह समझना कि राह में दुर्घटना होने की संभावना हो सकती है। घर से निकलते समय कोई छींक दे तो यह समझना कि होने वाला काम बिगड़ जाएगा,और घर में कौवे के बोलने से यह अर्थ निकाला जाए कि घर में मेहमान आने वाले हैं। छोटी चिड़िया यदि मिट्टी की धूल से खेल रही हो तो यह समझा जाए की घनघोर बारिश होने वाली है, आदि इत्यादि ऐसी कई धारणाएं हैं, जिनका कोई वैज्ञानिक तथा सामाजिक प्रमाण, तर्क या आधार मौजूद नहीं है। फिर भी बड़ी संख्या में लोग इन बातों पर विश्वास करके अपनी नियति तय करने में जुट जाते हैं, अपने विवेक का प्रयोग किए बिना ही इन बातों पर विश्वास कर लेना ही अंधविश्वास माना जाता है। कुछ लोग तेरा के अंक को अशुभ मानते हैं, तो कई देश किस अंग को शुभ भी मानते हैं। मृत्यु के बाद भी अनेक तरह के अंधविश्वास जी एवं आडंबर संयुक्त कर्मकांड किए जाते हैं। एवं इन कर्मकांड को नहीं किए जाने पर मनुष्य की आत्मा भूत बनकर इर्द गिर्द मंडराती है। और इस तरह के भूत मनुष्य जाति को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं, ऐसी मान्यताएं अंधविश्वास के साक्षात प्रमाण हैं। अधिकतर भारतीय ग्रामीण अभी भी यह मानते हैं कि पृथ्वी शेषनाग पर टिकी हुई है और भूकंप आने पर वह इस बात का दावा करते हैं कि शेषनाग नाराजगी कारण पृथ्वी हिलने लगी है,और भी पूजा पाठ करने में लग जाते हैं।चंद्र ग्रहण तथा सूर्य ग्रहण के समय भी ग्रामीण क्षेत्र में लोगों द्वारा ऐसे ही कयास लगाए जाते हैं, और फिर ग्रहों की पूजा की जाती है। पूजा करना बहुत अच्छी बात है,ईश्वर में आस्था होनी चाहिए यह एक तरह की एकाग्रता तथा अदृश्य शक्ति के प्रति आप का समर्पण भाव दिखाती है। ईश्वर से लगाओ तथा ईश्वरीय शक्ति के आगे समर्पण एक स्तुत्य के कार्य है। पर इसके पीछे अंधविश्वास को पुष्पित पल्लवित करना खतरनाक भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त ग्रह के चक्कर को दूर करने के लिए किसी विशेष जाति अथवा पत्थर की अंगूठी पहनना विशेष मंत्र वाला ताबीज पहनना जादू टोना तथा टोटका करवाना आदि अंधविश्वास के बड़े उदाहरण हैं । और इन सब अंधविश्वास के चक्कर में अनेक लोग धोखाधड़ी तथा शोषण के शिकार होते देखे गए हैं। अंधविश्वास धर्मांधता एक सामाजिक बुराई की तरह दिखाई देती है, जो निश्चित तौर पर देश के विकास के लिए बड़ी बाधा बन जाती है। संत कबीर दास ने बड़ी बेबाकी से इस अंधविश्वास पर अपनी कविता के माध्यम से गहरा कटाक्ष किया है, अरिहरन की चोरी करै, करे सुई का दान,ऊंचा चढ़ी के देखता,केतिक दूर विमान।

राज्यों के चुनाव का आगाज

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के राजस्थान व तेलंगाना दौरे से पांच राज्यों के आसन्न विधानसभा चुनावों का आगाज हो गया है। इससे पूर्व श्री मोदी मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ का दौरा भी करके आये थे। जाहिर है कि इन सभी राज्यों में कांटे की टक्कर है। उपरोक्त चार राज्यों के अलावा पूर्वोत्तर के मिजोरम में भी चुनाव होने हैं। यह बिना किसी शक के कहा जा सकता है कि इन सभी पांचों राज्यों में विपक्षी कांग्रेस पार्टी से ही टक्कर होनी है। हालांकि तेलंगाना में क्षेत्रीय पार्टी भारत राष्ट्रीय समिति से मुकाबला होना है जहां यह पार्टी सत्तारूढ़ है मगर इसके मुख्य मुकाबले में कांग्रेस पार्टी ही रहेगी क्योंकि यह इस राज्य की दूसरे नम्बर की पार्टी है और आन्ध्र प्रदेश से अलग करके तेलंगाना राज्य बनाने का श्रेय भी इसी को जाता है। भाजपा के साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में कांग्रेस की भिड़न्त होगी। इन चुनावों की सबसे बड़ी खूबी यह मानी जा रही है कि केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा किसी

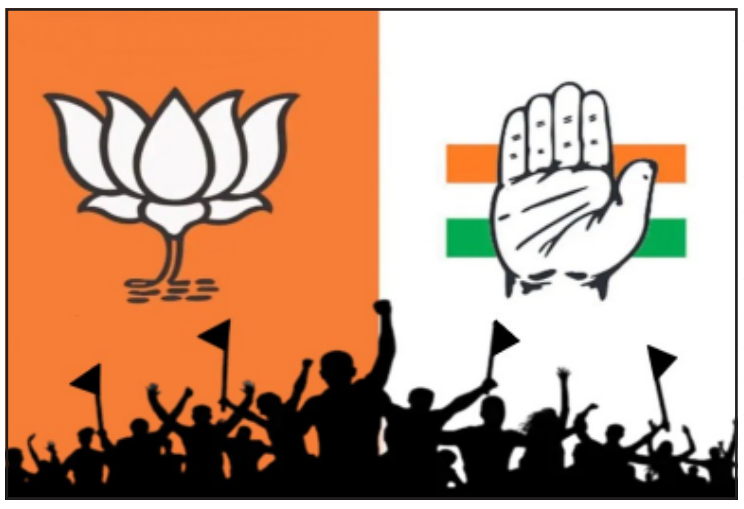

भी राज्य में अपने क्षेत्रीय नेतृत्व को आगे न रख कर प्रधानमन्त्री के चेहरे पर ही चुनाव लड़ना चाहती है जबकि कांग्रेस मध्य प्रदेश में अपने पूर्व मुख्यमन्त्री श्री कमलनाथ और छत्तीसगढ़ में वर्तमान मुख्यमन्त्री भूपेश बघेल को आगे करके चुनाव लड़ना चाहती है जबकि राजस्थान में सचिन पायलट व मुख्यमन्त्री अशोक गहलोत के बीच चल रही लांग-डांट के बीच पार्टी आलाकमान ने श्री गहलोत को ही अपना मुख्य चेहरा बनाते हुए चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई है। हालांकि दो दिन पहले ही आलाकमान ने पायलट व गहलोत के बीच पूर्ण युद्ध विराम घोषित करते हुए ऐलान किया था कि पार्टी संयुक्त रूप से चुनावी मैदान में जायेगी और कोई भी नेता पार्टी मंच से बाहर अपने मतभेदों को जगजाहिर नहीं करेगा। इस मामले में कांग्रेस आलाकमान ने सचिन पायलट की भी बात रखते हुए कहा था कि श्री पायलट जो भी मुद्दे उठा रहे हैं उन पर भी सरकार गौर करेगी। छत्तीसगढ़ में पहले ही वरिष्ठ नेता श्री टी.एस. सिंहदेव को उप मुख्यमन्त्री बनाकर बघेल व सिंहदेव के बीच की रस्साकशी को आला कमान ने खत्म कर दिया था। इन पांचों राज्यों में यह भी देखना होगा कि कांग्रेस के अलावा अन्य कौन सा विपक्षी दल चुनावी मैदान में ताल ठोकने की जुगत भिड़ाता है। इसका महत्व राष्ट्रीय स्तर पर चल रही विपक्षी एकता के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अभी तक विपक्षी दलों में कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी ने राजस्थान व मध्य प्रदेश में जनसभाएं की हैं। इसे लेकर अनौपचारिक स्तर पर विपक्षी दलों में कानाफूसी जरूर होती रहती है मगर किसी भी दल को लोकतन्त्र में चुनाव लड़ने की पूरी आजादी होती है और आम आदमी पार्टी का यह जायज अधिकार है।अब सवाल यह है कि यदि इन राज्यों में भाजपा कोई कमाल दिखाने में कामयाब नहीं हो पाती है तो इसका सीधा असर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों पर पड़े बिना नहीं रहेगा। अतः राजधानी दिल्ली में जिस प्रकार भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की बैठकों पर बैठकें हो रही हैं उसका मन्तव्य समझा जा सकता है। दूसरी तरफ ये चुनाव कांग्रेस के लिए जीवन-मरण का प्रश्न होंगे क्योंकि इसके नेता श्री राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने और उन्हें घर से बेघर किये जाने के बाद ये दूसरे चुनाव होंगे। पहले चुनाव कर्नाटक में हुए थे जहां कांग्रेस पार्टी ने जबर्दस्त जीत हासिल करके भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया था। मगर राजस्थान व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस स्वयं सत्ता में है अतः इसे इन राज्यों में अपनी सत्ता बचाये रखते हुए सत्ता के समर्थन में चुनावी हवा चलानी होगी। मध्य प्रदेश में स्थिति पूरी तरह बदली हुई है। यहां कांग्रेस की कोशिश श्री कमलनाथ के पक्ष में सहानुभूति बटोरनी की होगी क्योंकि पिछले 2018 के चुनावों के बाद विधानसभा में सबसे बड़े दल के रूप में उभरने पर भोपाल में श्री कमलनाथ के नेतृत्व में ही कांग्रेस सरकार बनी थी मगर मार्च 2020 में यह सरकार कुछ कांग्रेसी विधायकों के इस्तीफा देकर बागी नेता ज्योतिरादित्य सिन्धिया के साथ भाजपा से हाथ मिलाने की वजह से गिर गई थी और पुनः राज्य में श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा सरकार गठित हुई थी। कमलनाथ इस राज्य के स्व. द्वारका प्रसाद मिश्र व अर्जुन सिंह के बाद सबसे बड़े कद्दावर नेता माने जाते हैं, अतः इस राज्य में चुनावी लड़ाई अन्य सभी राज्यों से भिन्न स्तर पर होती दिखाई पड़ेगी।

मेषः- परिवार में खुशीप्रद वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न व्यवसायिक अवरोधों का हल ढूंढने हेतु मन केंद्रित होगा। कोई अच्छा अवसर मन को खुश रखेगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

बृषभः- मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी आएगी। भौतिकता से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगी।

मिथुनः- परिजनों एवं मित्रों का सनिध्य मन को प्रसन्न रहेगा। कार्य-पेशे में अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार हैं। मांगलिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य न करें।

कर्कः- कुछ नये संबंध बनेंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियों से घिरा मन काल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

सिंहः- मन खराब विचारों से प्रभावित रहेगा। अतरू उपरोक्त स्वभाव को सुधारें। नई स्थितियों से प्रतिभा का संचार होगा। रोजगार में अपनी कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

कन्याः- वाणी पर नियंतण्ररखते हुए संबंधों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओं के प्रति आशान्वित करेगा। पूर्वत स्थिति में सुधार एवं आर्थिक लाभ के आसार हैं।

तुलाः- आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाएं मकसद को सफल करेंगी। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। परिजनों के दुख-सुख के प्रति चिंतित होंगे।

वृश्चिकः- परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय का पूर्ण उपयोग करें। किसी नयी संवेदना का असर किसी नये रिश्ते को जन्म देगा। मन लक्ष्य के प्रति केंद्रित होने में असमर्थ होगा।

धनुः- परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव रखना एवं प्रगतिशील लोगों से ईष्याभाव रखना ठीक नहीं है। किसी अचल सम्पत्ति के क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

मकरः- किसी महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। मिलनसारिता के कारण संबंधों का विस्तार होगा। कमजोर मनोबलवश लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

कुंभः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाइयों का अभास होगा। संवेदनशील मन पुरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओतप्रोत होगा। पारिवारिक दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा।

मीनः- प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। ईर्षा आस्था हर स्थिति पर विजय प्राप्त करेंगे। स्वास्य में छोटी-मोटी परेशानियां संभव। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

मेरी जुबान
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक जयकिशोर वर्मा द्वारा जीवनदीप प्रिन्टर्स, जोड़ी बंगला, लखीमपुर खीरी से मुद्रित एवं "मेरी जुबान" हिन्दी दैनिक कार्यालय जिला पंचायत प्रागण गेट नं. 02, लखीमपुर खीरी-262701 उ.प्र से प्रकाशित
मो.99199596972
E-mail : merijuban@gmail.com
Website : www.merijuban.com
संपादकः उमाशंकर पटवा
मो. 9411081671

दुष्प्रभावों को लेकर बड़ी जानकारी

भले ही रहे हों हल्के लक्षण फिर भी इस रोग का खतरा, जरूर कराएं जांच

कोरोना संक्रमण पिछले तीन साल से अधिक समय से वैश्विक स्वास्थ्य संबंधी चिंता का कारण बना हुआ है। संक्रमण के कारण होने वाली जटिलताओं के साथ लॉन्ग कोविड भी एक बड़ा जोखिम रहा है, जिसका असर कई वर्षों तक भी बना रह सकता है। यहां तक कि एक हालिया अध्ययन में शोधकताओं की टीम ने बताया कि कोरोना के शिकार रहे कई लोगों में एक साल से अधिक का समय बीत जाने के बाद अब भी स्वाद-गंध न आने की समस्या बनी हुई है। इसके अलावा पोस्ट कोविड का खतरा फेफड़े, मस्तिष्क सहित कई अन्य अंगों पर भी देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ अब तक मानते रहे हैं कि जिन लोगों को गंभीर संक्रमण रहा था, उनमें लॉन्ग कोविड की समस्या होने का खतरा अधिक हो सकता है, पर नेचर जर्नल में प्रकाशित शोध ने इस दावे पर भी सवाल उठा दिए हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि भले ही जिन लोगों में हल्के स्तर के लक्षण भी रहे हों, उनमें भी दुष्प्रभावों के रूप में हृदय रोगों के होने का खतरा हो सकता है।

मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन का जोखिम

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारत सहित दुनिया के कई देशों में कम उम्र के लोगों में संक्रमण के मामलों का निदान किया जा रहा है। आश्चर्यजनक रूप से इसमें कई लोग ऐसे भी हैं जो कोरोना के हल्के लक्षणों के शिकार रहे थे और इसके बाद पहली बार उनमें हृदय रोगों की पुष्टि की गई है। कोविड-19 से ठीक होने के बाद हार्ट अटैक के जोखिमों के बारे में पता लगाने के लिए इटली में एक अध्ययन किया गया, जिसमें पता चला कि संक्रमण से ठीक हुए कई रोगियों में मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन का जोखिम 93 फीसदी अधिक था। शोधकताओं की टीम ने पाया कि एक साल के दौरान कोविड-19 के शिकार रहे लोगों में, अन्य लोगों की तुलना में हृदय से संबंधित जटिलताओं का खतरा 63 प्रतिशत अधिक था। कोविड-19 के पॉजिटिव टेस्ट वाले प्रति 1,000 लोगों में कम से कम 45 में हृदय संबंधी समस्याएं- जैसे स्ट्रोक या हार्ट फेलियर का जोखिम देखा गया। कोविड-19 के दीर्घकालिक हृदय संबंधी दुष्परिणामों का मूल्यांकन करने वाले अध्ययनों से पता चला कि यहां तक कि हल्के रोग वाले लोगों में भी संक्रमण के एक साल बाद तक हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा अधिक हो सकता है।

रक्त की आपूर्ति हो सकती है बाधित

ह्यूस्टन में डेबेकी हार्ट एंड वैस्कुलर सेंटर द्वारा किए गए एक अन्य शोध में हृदय पर कोविड के दीर्घकालिक प्रभावों को जानने की कोशिश की गई। शोधकताओं ने पाया कि कोरोना वायरस वाहिकाओं और हृदय की मांसपेशियों दोनों को क्षति पहुंचाता है। इससे हृदय में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने का जोखिम भी अधिक हो सकता है। कोविड-19 के लगभग छह महीने बाद भी हृदय की छोटी वाहिकाओं में रक्त प्रवाह में गड़बड़ी पाई गई, जो कई प्रकार के रोगों को बढ़ाने वाली समस्या हो सकती है।

हृदय की जरूर कराएं जांच

शोधकताओं का कहना है कि कोविड-19 के दुष्प्रभावों को समझने के लिए ज्यादातर अध्ययनों में पाया गया है कि यह शरीर के लिए कई प्रकार की जटिलताओं का कारण बन सकती है, जिसमें हृदय रोगों का खतरा सबसे अधिक है। कोविड-19 से एक साल पहले ठीक हो चुके लोगों में सेरेब्रोवास्कुलर जटिलताओं, हृदय गति की असमानता, इंफ्लामेशन या इस्केमिक हार्ट डिजीज का खतरा हो सकता है। ऐसे में भले ही आपमें संक्रमण के दौरान हल्के स्तर के ही लक्षण रहे हों फिर भी एहतियातन हृदय की जांच करा लें और नियमित रूप से हृदय को स्वस्थ रखने वाले उपाय करते रहें।

घुटनों के तेज दर्द से आराम दिलवाएंगी ये 3 एक्सरसाइज, डेली रुटीन में करें शामिल

गठिया के दर्द या फिर किसी अन्य समस्या के कारण घुटनों में बहुत ही तेज दर्द होता है। इसके अलावा बढ़ती उम्र के कारण भी यह दर्द होना आम है। खासकर 50 के बाद यह समस्या सबको परेशान करती है। खराब लाइफस्टाइल और सीढ़ियां ऊपर नीचे चढ़ने के कारण भी दर्द रहता है और यह तकलीफ बढ़ने लगती है। ऐसे में इसे कम करने के लिए आप कुछ एक्सरसाइज को अपनी रुटीन में शामिल कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपके दर्द को कम करने में मदद करेगी। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

हील एंड काफ स्ट्रेच

इस एक्सरसाइज की मदद से आपको घुटनों के दर्द से आराम मिलेगा। वहीं इसके अलावा यह एक्सरसाइज नियमित तरीके से करने से आपके पैरों में फ्लेक्सिबिलिटी आएगी, मांसपेशियों में खिंचाव आएगा और पैरों की फंक्शनिंग अच्छे से होगी। इसके अलावा इस एक्सरसाइज के जरिए लंबे समय तक पैदल चलने की क्षमता भी अच्छी होती है।

कैसे करें?

. दीवार से करीबन एक हाथ की दूरी पर खड़े हो जाएं।

. इसके बाद अपने दाएं पैर को बाएं पैर के पीछे रखें।

. फिर हल्के से अपना बाएं पैर आगे की ओर झुकाएं।

. दाए घुटने को सीधे रखें और इस बात का ध्यान रखें कि पैर फर्श को छुएं।

. 15-20 सैकेंड तक इसी पॉजिशन में रहें।

. फिर पैर बदल दें। ऐसे ही 15-20 बार यह प्रक्रिया दोहराएं।

हाफ स्क्वाट्स

इस एक्सरसाइज के साथ घुटनों और कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, इसके अलावा बॉडी में लचीचालपन आता है और घुटने के दर्द से आराम मिलता है। जो व्यक्ति इस एक्सरसाइज को नियमित करते हैं उनके कूदने की क्षमता भी अच्छी होती है। इस एक्सरसाइज के जरिए लोअर बैक और कोर मसल्स बेहतर बनते हैं।

कैसे करें?

. सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। इसके बाद अपने पैरों को कूल्हों की चौड़ाई के बराबर खोल लें।

दीवार के सहारे करें ये योगासन, 10 मिनट के अभ्यास से मिलेंगे गजब के फायदे

व्यस्त जीवन शैली में स्वास्थ्य की देखभाल करना लोगों को मुश्किल लगता है। खराब भोजन और बिगड़ी जीवनशैली सेहत के लिए नुकसानदायक होती है। व्यस्तता के कारण लोगों के पास खुद के लिए वक्त नहीं होता है। दिनभर के कामकाज और भागदौड़ के बाद जब उन्हें समय मिलता है तो लोग आराम करना पसंद करते हैं। दिनभर डेस्क पर बैठे-बैठे काम करने और घर आकर आराम करने के लिए बिस्तर पर लेट जाने से शारीरिक सक्रियता कम होती है और मोटापा व कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं घेर लेती हैं। इससे निजात पाने के लिए व्यायाम या योग फायदेमंद क्रिया है। चलते फिरते रोजाना आप स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए कुछ आसान योगासनों को कर सकते हैं। इस योगासनों के अभ्यास के लिए एक स्थान पर बैठने की जरूरत नहीं होती, बल्कि दीवार के सहारे योग किया जा सकता

है। अगली स्लाइड्स में जानिए दीवार के सहारे किए जाने वाले योगासनों के बारे में और इसके फायदे।

पदोत्तानासन के फायदे

इस योग मुद्रा के अभ्यास से संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर बनाने में मदद मिलती है। पदोत्तानासन निचले शरीर के लिए असरदार योग क्रिया है। इस आसन से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, वजन घटाने में मदद मिलती है, तनाव व अवसाद दूर होता है और थायराइड संबंधी समस्याओं से राहत मिलती है।

कैसे करें पदोत्तानासन

इस आसन के अभ्यास के लिए बस दीवार के पास लेट जाएं। दोनों पैरों को दीवार के सहारे ऊपर की ओर फैलाएं और एक दो मिनट तक इसी मुद्रा में रुकें।

सर्वांगासन

इस आसन में पूरे शरीर को कंधों पर संतुलित किया जाता है। सर्वांगासन के कई स्वास्थ्य लाभ हैं। इस आसन के अभ्यास से कब्ज से राहत, बालों की झड़ने की समस्या कम होती है, ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है, वजन नियंत्रित रहता है और तनाव कम होता है।

कैसे करें सर्वांगासन

जमीन पर आराम से पीठ के बल लेटकर कमर को ऊपर की ओर उठाएं और पैरों को ऊपर ले जाएं। फिर शरीर को अतिरिक्त सहारा देते हुए दीवार की टेंक लें। अब पैरों, कमर और पीठ को एक सीध में रखें। शरीर जमीन पर सीधा रखना है और पूरा वजन बाहों पर देना है। कुछ सेकेंड इसी अवस्था में रहें, फिर शरीर को आराम देते हुए इस क्रिया को दो-तीन बार दोहराएं।

बालों के लिए बेहद फायदेमंद है अदरक, जानें इसके इस्तेमाल का सही तरीका

आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा और खुद भी महसूस किया होगा कि अदरक के इस्तेमाल से चाय का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। यही वजह है कि अब हर मौसम में लोग अदरक की चाय पीना पसंद करते हैं। खाना हो या फिर चाय अदरक स्वाद बढ़ाने के साथ ही कई समस्याओं को भी दूर करती है। अदरक के सेवन से शरीर को कई फायदे होते हैं। इसी के चलते लोग खाने में भी अदरक का इस्तेमाल करते हैं। क्या आप जानते हैं कि खाने और चाय का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ अदरक आपके बालों के लिए भी बेहद गुणकारी है। जी हां, भले ही आपको ये सुनने में अजीब लगे, पर अदरक का इस्तेमाल बालों को मजबूत बनाने के लिए किया जाता है। आज के अपने इस लेख में हम आपको बालों में अदरक का इस्तेमाल करना सिखाएंगे। इसके साथ ही आपको ये भी बताएंगे कि अदरक बालों से जुड़ी किन परेशानियों को दूर करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

आप अदरक को बालों में कई तरीके से लगा सकते हैं। हम आपको अदरक और प्याज का रस बालों में लगाना बताएंगे। अगर आप चाहते हैं कि बाल कम समय में लंबे और घने बन जाए तो अदरक के रस में प्यार का रस मिलाकर लगाएं। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस 2 चम्मच अदरक का रस और 1 छोटा चम्मच प्याज का रस लेना है। अब कॉटन बॉल की मदद से इस मिश्रण को अपने स्कैल्प पर लगाएं। 15 से 20 मिनट तक बालों में अदरक और प्याज का रस लगा रहने दें और बाद में नॉर्मल पानी से धो लें। आप ऐसा हफ्ते में दो बार कर सकते हैं।

डैंड्रफ करता है दूर

अदरक के रस के इस्तेमाल से आप अपने बालों के डैंड्रफ को खत्म कर सकते हैं। अदरक में मौजूद एंटीसेप्टिक गुण स्कैल्प से इंफेक्शन और डैंड्रफ को कोसों दूर रखते हैं।

बढ़ाता है लंबाई

अदरक का रस आपको बालों को मजबूत बनाने के साथ-साथ उनकी लंबाई बढ़ाने में सहायक होता है। अदरक में कई विटामिन, मिनरल्स और फैटी एसिड होते हैं, जो बालों के लिए फायदेमंद होते हैं।

दिलाता है दोमुंहे बालों से छुटकारा

अगर आप हफ्ते में दो बार अदरक के रस को बालों में लगाएंगे तो इससे आप दोमुंहे बालों से छुटकारा पा सकते हैं। ये आपके बालों को लंबे समय तक दोमुंहे बालों के दूर रखता है।

बालों में आती है शाइन

अदरक के इस्तेमाल से आपके बालों को आंतरिक पोषण मिलता है, जिससे बालों में शाइन आती है और बाल खूबसूरत दिखते हैं।

सावन में महादेव को लगाएं इन फलाहारी चीजों का भोग, व्रत में खुद भी करें सेवन

सावन के महीने का इंतजार लोगों को साल भर रहता है। इस पूरे महीने लोग महादेव की पूजा अर्चना करके उन्हें प्रसन्न करते हैं। इस बार तो सावन का महीना और भी ज्यादा खास होने वाला है, क्योंकि इस बार सावन का महीना पूरे दो महीने चलने वाला हैं, ऐसे में लोग भोलेनाथ

को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय करेंगे। इन उपायों में लोग व्रत-उपवास भी करते हैं। सोमवार के व्रत में फलाहार खाया जाता है और फलाहार का ही भोग लगाया जाता है। आज के लेख में हम आपको फलाहार के कुछ ऐसे पकवानों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें बनाना बेहद आसान हैं। आप इन पकवानों का भोग महादेव को भी लगा सकते हैं और बाद में व्रत में खुद भी इसका सेवन कर सकते हैं। इन सभी चीजों को बनाना बेहद आसान है। आइए देर न करते हुए आपको भी कुछ ऐसे फलाहार पकवानों के बारे में बताते हैं, जो खाने में भी काफी स्वादिष्ट होते हैं।

कुट्टू की पूड़ी या पराठा

फलाहार बनाने के लिए सबसे पहले आप कुट्टू की पूड़ी बनाने की तैयारी कर लें। अगर आपको पूड़ियां नहीं पसंद हैं तो पराठा भी बना सकती हैं।

व्रत वाले आलू

सावन सोमवार के व्रत में व्रत वाले आलू जरूर बनाएं। इसे खाने से भोजन का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। इस सब्जी में नींबू डालना नहीं भूलें।

साबूदाना खिचड़ी

व्रत में साबूदाना खिचड़ी सबसे ज्यादा खाई जाती है। इसे बनाना बेहद आसान होता है और ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। आप महादेव को भी इसका भोग लगा सकती हैं।

कुट्टू का डोसा

ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। अगर आप पूड़ी या पराठे से हटकर कुछ अलग बनाना चाहती हैं तो कुट्टू का डोसा तैयार कर सकती हैं।

कुट्टू की पकौड़ी

व्रत में धनिए की चटनी के साथ आप कुट्टू की पकौड़ी बनाकर खा सकती हैं और महादेव को इसका भोग भी लगा सकती हैं। चटनी के साथ इसका स्वाद बढ़ जाता है।

साबुदाने की खीर

व्रत में साबुदाने की खीर बनाने के लिए आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं लगेगी। इसे खाकर आपके घरवाले भी आपकी तारीफ करते थकेंगे नहीं।

गर्भावस्था के दौरान कपड़े पहनते समय रखें इन बातों का ध्यान, वरना सामने आएगी परेशानी

गर्भावस्था का समय हर महिला के लिए उसकी जिंदगी का सबसे अहम समय होता है। गर्भावस्था के नौ महीने एक महिला अपने शरीर में एक बच्चे को पालती-पोसती है। इस दौरान महिला के शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। हार्मोन्स बदलने की वजह से गर्भवती महिला के ना सिर्फ भावनाओं में परिवर्तन होता है, साथ में शरीर में भी कई बदलाव होते हैं। इन बदलावों की वजह से महिलाओं का आत्मविश्वास काफी कम हो जाता

है। उन्हें ये समझ ही नहीं आता कि वो कैसे कपड़े पहनकर स्टाइलिश दिख सकती हैं। गलत कपड़ों के चयन से गर्भवती महिला काफी असहज हो जाती हैं। इसी परेशानी के चलते आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिनका ध्यान आपको अपने कपड़े खरीदते वक्त रखना है। अगर आप इन बातों का ध्यान नहीं रखेंगी तो हो सकता है कि आपके सामने कई परेशानियां सामने आने लगें। आइए देर ना करते हुए आपको इन बातों के बारे में बताते हैं।

सूती कपड़ों को दें प्राथमिकता

अपनी गर्भावस्था के समय कोशिश करें कि सूती कपड़े पहनें। ये काफी आरामदायक होते हैं। प्रेगनेंसी में पसीना भी बहुत आता है, जिसमें सूती कपड़े आपको राहत पहुंचा सकते हैं।

साइज का रखें ध्यान

गर्भावस्था के दौरान अपने साइज का जरूर ध्यान रखें। अगर कपड़े ज्यादा टाइट होंगे, उनमें आप असहज हो सकती हैं। स्टाइलिश और आरामदायक कपड़े पहनने के लिए साइज का ध्यान जरूर रखें।

आत्मविश्वास के साथ दिखाएं बेबी बंप

अगर आपको अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करना पसंद है तो बेधड़क अपनी पसंद की ड्रेस पहनें। बस ड्रेस पहने वक्त ध्यान रखें कि इसमें पहले आप खुद सहज हों।

ऐसे कपड़े पहनें जो पेट को दें सहारा

गर्भावस्था के दौरान हमेशा ऐसे कपड़े पहनें जो आपके पेट को सहारा देते हों। अगर आप सही कपड़े पहनेंगी तो इससे आपको कोई परेशानी नहीं होगी।

फिगर हगिंग आउटफिट से रहें दूर

जो बॉडीकॉन आउटफिट होते हैं, वो एक दम टाइट होते हैं। इसकी वजह से आप असहज हो सकती हैं। ऐसे में कोशिश करें इनसे दूर रहें।

बेल्ट से बनाएं दूरी

पेट पर बेल्ट बांधने से आपके शरीर में परेशानी हो सकते है। ऐसे में कपड़े वही पहनें, जिसमें बेल्ट की जरूरत ना हो।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान

लखीमपुर खीरी, मंगलवार 11 जुलाई, 2023

रोहित की कप्तानी से नाखुश हैं गावस्कर

कहा- उनसे बेहतर की उम्मीद थी, द्रविड़ से भी पूछे जाएं सवाल

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर रोहित शर्मा की कप्तानी से खुश नहीं हैं और उन्होंने कहा है कि उन्हें उनसे ज्यादा की उम्मीद है। रोहित को विराट कोहली की जगह भारत का कप्तान बनाया गया था। हालांकि, रोहित के कप्तान बनने के बाद से भी भारतीय टीम टी20 विश्व कप के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही। वहीं, टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। टीम का पिछले 10 वर्षों से आईसीसी ट्रॉफी का सूखा जारी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में गावस्कर ने रोहित की कप्तानी पर सवाल उठाए और कहा कि उन्होंने आईपीएल में सबसे सफल कप्तान के रूप में अपनी प्रतिष्ठा के साथ न्याय नहीं किया है। आईपीएल में बतौर कप्तान रोहित ने मुंबई इंडियंस के साथ पांच खिताब जीते हैं। वह इस मामले में महेंद्र सिंह धोनी के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। गावस्कर ने कहा है कि रोहित के साथ-साथ हेड कोच राहुल द्रविड़ से भी पूछे जाएं। 'रोहित से ज्यादा उम्मीदें थीं' गावस्कर ने कहा- मुझे रोहित से ज्यादा उम्मीदें थीं। भारत में टेस्ट खेलना अलग बात है, लेकिन जब आपकी परीक्षा विदेशों में होती है। वहां अच्छा प्रदर्शन करने पर आपकी तारीफ होती है। विदेशों में रोहित की टीम इंडिया का प्रदर्शन थोड़ा निराशाजनक रहा है। यहां तक कि टी20 फॉर्मेट में भी रोहित आईपीएल के तमाम अनुभव, कप्तान के तौर पर शतकों और आईपीएल के बेस्ट प्लेयर्स के साथ खेलने के बावजूद टीम को फाइनल में नहीं पहुंचा पाए, जो कि निराशाजनक है। 'रोहित के साथ द्रविड़ से भी पूछे जाएं सवाल' गावस्कर ने यह भी कहा कि जब डब्ल्यूटीसी फाइनल जैसी हाई-प्रोफाइल हार की बात आती है तो रोहित और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को जवाबदेह होना चाहिए। गावस्कर ने कहा- उनसे सवाल पूछा जाना चाहिए। आपने पहले फील्डिंग क्यों किया? ठीक है टॉस के समय यह स्पष्ट था कि बादल छाए हुए हैं और सब कुछ। इसके बाद सवाल यह होना चाहिए कि आपको ट्रेविस हेड के शॉर्ट बॉल की कमजोरी के बारे में नहीं पता था? जब उन्होंने 80 रन बना लिए थे तभी आपने बाउंसर क्यों डलवाया? जैसे ही हेड बल्लेबाजी के लिए आए थे, कमेंट्री बॉक्स में रिकी पोंटिंग कह रहे थे उन्हें बाउंसर फेंको। हर कोई इसके बारे में जानता था, लेकिन हमने कोशिश नहीं की। अब रोहित और द्रविड़ पर भारत को इस साल होने वाले विश्व कप में ट्रॉफी दिलाने की जिम्मेदारी होगी। वनडे विश्व कप की शुरूआत पांच अक्तूबर से होगी। पहला मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। भारतीय टीम अपना पहला मैच आठ अक्तूबर को चेन्नई में खेलेगी। वहीं, पाकिस्तान के साथ टीम का हाईवोल्टेज मुकाबला 15 अक्तूबर को अहमदाबाद में है। भारतीय टीम राउंड रॉबिन फॉर्मेट में अलग-अलग टीमें से नौ मैदानों पर मैच खेलेगी। पाकिस्तान की टीम अपने अभियान की शुरूआत छह अक्तूबर को नीदरलैंड के खिलाफ करेगी।

प्रियांश कंपाउंड तीरंदाजी के अंडर-21 में विश्व चैंपियन बने

लिमेरिक (आयरलैंड)। भारतीय तीरंदाज प्रियांश विश्व तीरंदाजी युवा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे जिससे देश के पदकों की संख्या नौ हो गई। प्रियांश एकतरफा पुरुष अंडर-21 व्यक्तिगत फाइनल में स्लोवेनिया के अलजाज

ब्रेंक को 147-141 से हराकर अंडर-21 विश्व चैंपियन बन गए। भारत ने अभी तक नौ पदक जीत लिए हैं जिसमें पांच स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। इससे पहले उभरती हुई तीरंदाज अदिति स्वामी अमेरिका की लिएन ड्रेक को हराकर अंडर-18 महिला विश्व चैंपियन बनीं थी। पिछले महीने विश्व कप में अंडर-18 कंपाउंड महिला क्वालिफाइंग रिकॉर्ड बनाने वाली अदिति ने इसी लय को जारी रखते हुए चल रही युवा विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में लिएन को 142-136 से पराजित किया था। विश्व कप में सीनियर पदार्पण करते हुए अदिति ने पिछले महीने कोलंबिया में टीम कांस्य पदक भी जीता था। अदिति ने पिछले साल शारजाह में एशिया कप के तीसरे चरण में व्यक्तिगत रजत पदक भी अपने नाम किया था।

एशियाड में हंपी करेंगी शतरंज में भारतीय चुनौती का नेतृत्व, पुरुष टीम में विदित और अर्जुन शामिल

नई दिल्ली। दो बार की स्वर्ण पदक विजेता कोनेरू हंपी और कांस्य पदक विजेता द्रोणावल्ली हरिका 23 सितंबर को हांगझोऊ में शुरू होने वाले एशियाई खेलों में 10 सदस्यीय भारतीय शतरंज टीम की अगुवाई करेंगी। पुरुष वर्ग में विदित गुजराती और युवा अर्जुन एरिगैसी और महिला वर्ग में हंपी और हरिका व्यक्तिगत श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। पुरुष टीम में ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, गुजराती, एरिगैसी, पी हरिकृष्णा और आर प्रगनाननंदा शामिल हैं जबकि महिला टीम में हंपी, हरिका, आर वैशाली, वंतिका अग्रवाल और सविता श्री टीम स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगी। सभी खिलाड़ी हाल ही में ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में मुश्किल चुनौती का सामना करने के बाद आ रहे हैं। इस स्पर्धा में उन्हें दुनिया के कुछ महानतम शतरंज खिलाड़ियों से शीर्ष स्तर की प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा, जिसमें नॉर्वे के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन भी शामिल थे। टीम की घोषणा रविवार को कानपुर में अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) की आम सभा की बैठक के दौरान की गई, जिसकी अध्यक्षता इसके अध्यक्ष संजय कपूर ने की। छत्तीस साल की हंपी टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ी है। उन्होंने 2006 के दोहा एशियाई खेलों में महिला व्यक्तिगत और मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीता था। टीम में अन्य एशियाई खेलों की पदक विजेता हरिका हैं, जिन्होंने ग्वांगझोउ में 2010 सत्र में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता था। शतरंज 2014 इंचियोन और 2018 जकार्ता खेलों का हिस्सा नहीं था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार साल और सात टेस्ट बाद जीता इंग्लैंड, हेडिंग्ले में जीत से की एशेज में वापसी

हेडिंग्ले। इंग्लैंड ने एशेज के रोमांच को तीसरे टेस्ट में खत्म नहीं होने दिया। ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टेस्ट में तीन विकेट से हराकर इंग्लैंड ने सीरीज का रोमांच बरकरार रखा है। अपने घरेलू मैदान पर 93 गेंद में 75 रन की पारी खेलकर हैरी ब्रुक ने इंग्लैंड को रोमांचक जीत दिलाई और सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 1-2 कर दिया। इंग्लिश टीम को चार साल और सात टेस्ट मैच के बाद ऑस्ट्रेलिया पर जीत मिली है। उसे पिछली बार 2019 में ओवल ग्राउंड पर सफलता मिली थी। उसके बाद से सात टेस्ट में छह ऑस्ट्रेलिया ने जीता और एक मैच ड्रॉ पर छूटा। इंग्लैंड के एक समय 171 रन पर छह विकेट गिर गए थे, लेकिन ब्रुक ने क्रिस वोक्स (32*) के साथ मिलकर 59 रन की साझेदारी कर डाली। रही-सही कसर मैन ऑफ द मैच मार्क वुड (16*) ने कमिंस पर छक्का और स्टार्क पर चौका जड़कर पूरी कर दी। आईपीएल के बाद पहला प्रतियोगी मैच खेल रहे वुड ने इस मैच में सात विकेट लिए और 40 रन बनाए। स्टार्क ने इंग्लैंड को दिए शुरूआती झटके बिना विकेट खोए 27 रन से आगे खेलते हुए जैक क्रॉली और बेन डकेट स्कोर को 42 तक ले गए। यहां मिचेल स्टार्क ने डकेट (23) और मोइन अली (5) को आउट कर इंग्लैंड का स्कोर 60 रन पर दो विकेट कर दिया। क्राउले तेजी से रन बना रहे थे, लेकिन 93 के स्कोर पर उन्हें मार्श ने कैरी के हाथों कैच करा दिया। उन्होंने 55 गेंद में 44 रन बनाए।

लक्ष्य सेन ने जीता कनाडा ओपन, फाइनल में ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग को दी शिकस्त

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन ने मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन चीन के ली शी फेंग को हराकर कनाडा ओपन 2023 में मेंस सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। लक्ष्य ने वर्ल्ड नंबर-10 खिलाड़ी शी फेंग पर सीधे गेम में जीत हासिल की। लक्ष्य ने मैच 21-18, 22-20 से अपने नाम किया। लक्ष्य का यह इस सीजन दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। वह जनवरी 2022 में पहले ही इंडिया ओपन का खिताब जीत चुके हैं। मेंस सिंगल्स में लक्ष्य की मौजूदा वर्ल्ड रैंकिंग 19 है। उन्होंने राउंड ऑफ-32 में वर्ल्ड नंबर चार कुनलावुत विटिडसार्न को शिकस्त दी थी। इसके बाद लक्ष्य ने सेमीफाइनल में दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी जापान के केंटो निशिमोटो पर शानदार जीत हासिल की और एक साल से अधिक समय में अपने पिछले साल अगस्त में विश्व चैंपियनशिप (22 से 28 अगस्त) के बाद लक्ष्य की नाक की सर्जरी हुई थी और इलाज के बाद उन्हें ठीक होने में काफी समय लगा थी। उन्होंने पिछली बार कोई फाइनल पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में खेला था। तब भी लक्ष्य चैंपियन बने थे और मेंस सिंगल्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। नाक की सर्जरी से रिकवरी के बाद कई टूर्नामेंट में वह शुरूआती राउंड में ही बाहर हो गए थे। इस सीजन की शुरूआत में लक्ष्य फॉर्म में नहीं दिखे थे, जिससे वह रैंकिंग में 19वें नंबर पर खिसक गए थे। हालांकि, थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंकर उन्होंने अपनी फॉर्म में सुधार के संकेत दिए थे। अब वह कनाडा ओपन के चैंपियन बन गए हैं। इससे लक्ष्य के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने की राह आसान हुई है। ली शी फेंग के खिलाफ लक्ष्य की यह पांचवीं जीत थी। दोनों के बीच कुल सात मुकाबले खेले गए हैं। ली शी फेंग को सिर्फ दो मैचों में जीत मिली है। वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकीं और महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में जापान की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से 14-21 15-21 से हार गईं थीं। यामागुची ने सिंधु के खिलाफ 11वीं जीत हासिल की। वहीं, भारतीय शटलर ने इस जापानी खिलाड़ी के खिलाफ 14 मैच जीते हैं। सिंधु 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के बाद चोटिल हो गई थीं।

हाइब्रिड फंड सभी निवेशकों के लिए बेहतर, म्यूचुअल फंड में इस उत्पाद का प्रदर्शन बहुत ही शानदार

नई दिल्ली। सभी निवेश गुरु, चाहे वह वॉरेन बफे हों या हॉवर्ड मार्क्स, वे सभी कहते हैं कि यदि आप कम मूल्य वाले परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करते हैं, तो आप वास्तव में पैसा बनाते हैं। यह कुछ ऐसा है जिसे एक हाइब्रिड फंड करने में सक्षम है, क्योंकि इसके पास हमेशा नकदी होती है। यह सस्ता होने पर कम मूल्य वाले परिसंपत्ति वर्ग में निवेश करने में सक्षम है। इसलिए, हाइब्रिड रणनीतियां बेहतर जोखिम समायोजित रिटर्न दे सकती हैं। इससे निवेश को भी सुरक्षा मिलती है। निवेशकों की क्षमता के आधार पर करता है निवेश : पूरे बाजार चक्र के दौरान, एक धैर्यवान निवेशक के लिए, हाइब्रिड फंड में निवेश का अनुभव उत्साहजनक हो सकता है, क्योंकि यह ज्यादा परिसंपत्तियों का दृष्टिकोण अपनाता है। इस रणनीति से निवेशकों को बेहतर जोखिम समायोजित रिटर्न उत्पन्न करने में मदद मिलती है। म्यूचुअल फंड में इस उत्पाद का प्रदर्शन बहुत ही शानदार होता है। जानें...इन पांच प्रमुख श्रेणियों वाले हाइब्रिड फंड के बारे में रूढ़िवादी : यह फंड पोर्टफोलियो का 10-15 फीसदी इक्विटी में और बाकी 75 -90 फीसदी डेट में निवेश करता है। यह बहुत कम जोखिम लेकिन इक्विटी से थोड़ा लाभ कमाने वालों के लिए है। इस कैटेगरी का एक साल में 9.74 फीसदी, तीन साल में 8.72 और 5 साल में 7.16 फीसदी रिटर्न। आक्रामक : यह कम से कम 65% और अधिकतम 80% तक इक्विटी में निवेश करता है। 20-35% बॉन्ड और अन्य सुनिश्चित आय वाली प्रतिभूतियों में निवेश करता है। यह ज्यादा जोखिम वालों के लिए ठीक है। इसके बेंचमार्क ने 2022 में 4.8 फीसदी और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने 11.7 फीसदी रिटर्न दिया था। बैलेंस्ड एडवांटेज : यह फंड पोर्टफोलियो का 0-100% इक्विटी में या इतना ही डेट में निवेश कर सकता है। जब मार्च 2020 में कोरोना के बाद सेंसेक्स में गिरावट आई, तो आईप्रू बैलेंस्ड एडवांटेज ने इक्विटी निवेश बढ़ाकर 73.7% कर दी। जब बाजार 60,000 से अधिक के स्तर पर पहुंचा तो फंड ने शुद्ध इक्विटी को 30% से कम कर दिया। कैटेगरी का एक साल में 15.59, तीन साल में 13.79% का रिटर्न। मल्टी-एसेट अलोकेशन : यह सदाबहार फंड है। इस श्रेणी में आईप्रू ने 2022 में 16.8% और बेंचमार्क ने 5.8% का रिटर्न दिया।

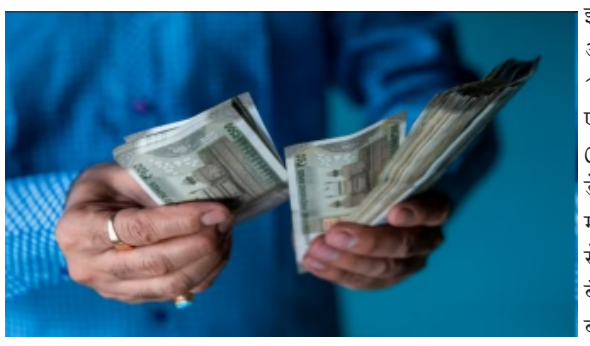

उच्च परिवहन लागत का असर, रूस से तेल खरीद पर फायदा घटकर चार डॉलर

नई दिल्ली। परिवहन की ऊंची लागत के चलते रूस से खरीदे जा रहे कच्चे तेल पर भारत का फायदा घटकर 4 डॉलर बैरल पर आ गया है। पिछले साल मध्य में यह छूट 30 डॉलर प्रति बैरल थी। रूस से तेल के परिवहन के लिए जिन इकाइयों को नियुक्त किया गया है, वे भारत से सामान्य से काफी ज्यादा माल ढुलाई कीमत ले रही हैं जो 9 से 11 डॉलर प्रति बैरल है। भारतीय रिफाइनरियों से रूस 60 डॉलर प्रति बैरल से भी कम कीमत ले रहा है लेकिन कुल लागत के साथ यह 70-75 डॉलर प्रति बैरल हो रही है। भारतीय रिफाइनरी रूस से कच्चे तेल की खरीद उसकी आपूर्ति किए जाने के आधार पर खरीदती हैं। इससे रूस को तेल के परिवहन और बीमा की व्यवस्था करनी पड़ती है। 60 फीसदी तेल सरकारी कंपनियां खरीद रहीं यह छूट ऊंची रह सकती थी, यदि सरकारी कंपनियां इस बारे में सबके साथ मिलकर बातचीत करतीं। अभी रूस से प्रतिदिन 20 लाख बैरल कच्चा तेल आ रहा है जो कुल कच्चा तेल खरीद में 44% हिस्सा है। इसमें सरकारी कंपनियों का हिस्सा 60 फीसदी है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की कल अंतिम तारीख है। श्रम मंत्रालय और ईपीएफओ ने 26 जून को ज्यादा पेंशन के आवेदन की तारीख दूसरी बार 15 दिन बढ़ाकर 11 जुलाई कर दी थी।

कंपनी या कारोबारी को ज्यादा आईटीसी के दावे की अब बतानी होगी वजह

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद एक नया नियम लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत कंपनी या कारोबारी को अधिक इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के दावे का कारण बताना होगा। साथ ही अतिरिक्त राशि सरकारी खजाने में जमा करानी होगी। विधि समिति का विचार है कि सेल्फ जेनरेटेड आईटीसी व जीएसटीआर-3बी रिटर्न में दायर आईटीसी में बहुत अंतर मिलने पर जीएसटी में पंजीकृत व्यक्ति को इसके बारे में बताना होगा या अतिरिक्त आईटीसी को ब्याज के साथ लौटाना होगा। जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी में घोषित टैक्स देनदारी में अंतर 25 लाख रुपये या 20 फीसदी

की तय सीमा से अधिक है, वहां कारोबारियों को इसकी वजह बताने या शेष कर को जमा कराने के लिए कहा जाएगा। जीएसटी परिषद की 11 जुलाई को होने वाली 50वीं बैठक में समिति की सिफारिशों पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। ओएनडीसी : जारी होगा स्पष्टीकरण जीएसटी परिषद ओएनडीसी के जरिये ई-कॉमर्स कारोबार करने वाले आपूर्तिकताओं पर स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) की देनदारी पर स्पष्टीकरण जारी करेगी। ऐसे आपूर्तिकताओं पर परिषद स्पष्टीकरण जारी करेगी, जहां एक लेनदेन में कई परिचालक शामिल हैं। फर्जी चालान पर लगाम लगाने का है उद्देश्य पंजीकृत व्यक्ति को जीएसटीआर-1 का मासिक विवरण भरने की अनुमति तब तक नहीं दी जानी चाहिए, जब तक उसने अधिकारी को गड़बड़ियों के बारे में संतुष्ट न कर दिया हो या अतिरिक्त आईटीसी दावे को लौटा न दिया हो। इसका उद्देश्य फर्जी चालान पर अंकुश लगाना है। वस्तुओं-सेवाओं की सही आपूर्ति के बिना आईटीसी का लाभ उठाने को इसका इस्तेमाल होता है।

टीम को न भेजने के बयान पर भड़के PCB के पूर्व प्रमुख, PM की कमेटी पर उठाए सवाल

कराची। इस साल भारत में वनडे वर्ल्ड कप होना है। उससे पहले पाकिस्तान का ड्रामा जारी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और पाकिस्तान सरकार की ओर से टीम को भारत न भेजने की गीदड़भभकी दी जा रही है। पहले पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा, फिर बोर्ड के पूर्व अंतरिम चीफ नजम सेठी और अब पाकिस्तान के खेल मंत्री ने टीम को वर्ल्ड कप के लिए न भेजने की धमकी दी है। हालांकि, इसको लेकर पाकिस्तान में अंदरूनी रार पैदा हो गई है। पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष खालिद महमूद ने विश्व कप में ढअड टीम की भागीदारी पर निर्णय लेने के लिए एक हाई लेवल कमेटी बनाने के सरकार के फैसले पर निशाना साधा है। महमूद के बोर्ड अध्यक्ष रहते पाकिस्तान की टीम ने 1999 में भारत का दौरा किया था। इसके अलावा वह 1989 में भारत का दौरा करने वाली जूनियर टीम के मैनेजर रहे थे। खालिद ने कहा कहा कि इस कमेटी के गठन का कोई मतलब नहीं है। महमूद ने एक इंटरव्यू में कहा, दिलचस्प बात यह है कि कमेटी में मुख्य हितधारक ढउइ का कोई भी प्रतिनिधि नहीं है।₹ उन्होंने कहा कि सरकार ने कमेटी में मंत्रियों को शामिल करके अपने ही इस बात का विरोधाभास किया है कि खेल में राजनीति को नहीं लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षा मुद्दा है तो बात समझ में आती है लेकिन यह कहना कि अगर भारतीय टीम एशिया कप खेलने पाकिस्तान नहीं आएगी तो हम भी विश्व कप खेलने भारत नहीं जाएगे, दोनों चीजों को मिलाने की बात है, जो हमने इससे पहले कभी नहीं किया है। खालिद ने कहा- मैं इस बात से सहमत हूं कि भारत का पाकिस्तान का दौरा न करने का कोई औचित्य नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीजें इस तरह से नहीं की जाती हैं, जैसा पीसीबी अभी कर रहा है। उन्होंने कहा, ₹जब मैं 1999 में पीसीबी अध्यक्ष था, तो भारत से धमकियों के बावजूद, हमने भारत में एक प्रतिनिधिमंडल भेजकर अपनी टीम के लिए सुरक्षा स्थिति का आकलन किया और सरकार को सलाह दी कि हम भारत जाने के इच्छुक हैं। खालिद ने कहा कि अब समझदारी की बात यह है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि पाकिस्तानी टीम मेगा इवेंट में हिस्सा ले, नहीं तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है और अन्य बोर्डों के साथ भी रिश्ते खराब हो सकते हैं। महमूद ने कहा कि नजम सेठी ने एशिया कप पर क्रिकेट मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष के रूप में जो भी निर्णय लिया था, उसका अब सम्मान किया जाना चाहिए। खालिद ने कहा, ₹मुझे उम्मीद है कि इस कमेटी के गठन और खेल मंत्री अहसान मजारी के बयान के कारण मौजूदा पीसीबी अध्यक्ष जका अशरफ को इस सप्ताह के अंत में आईसीसी बैठकों में भाग लेने पर असहज स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

बिग बॉस ओटीटी अविनाश सचदेव को हुआ अपनी को-कंटेस्टेंट से प्यार

बिग बॉस ओटीटी इन दिनों जबरदस्त फैंस का एंटरटेनमेंट करता दिखाई दे रहा है। इस शो में लगातार ट्विस्ट एंड टर्न्स देखने को मिल रहे है। हर हफ्ते का एविक्शन और घर के अंदर चल रहे बवाल से हर कोई ये जाने को बेताब है कि आखिर शो के नेक्स्ट एपिसोड में क्या होगा। ऐसे में सलमान खान का ये शो लोगो का पसंदीदा शो बना हुआ है। साथ ही मेकर्स इस शो से मिल रहे रिस्पांस को लेकर भी खुश है। बता दे, सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला शो बिग बॉस ओटीटी 2 का प्रीमियर 17 जून को हुआ था और इसे जियो सिनेमा पर कभी भी मुफ्त में देखा जा सकता

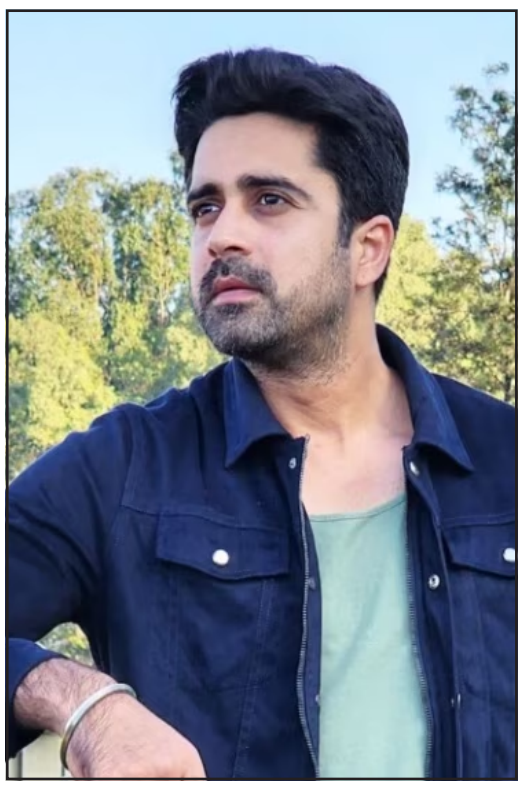

है। ये बिग बॉस का दूसरा सीजन है जिसको लेकर फैंस काफी दिलचस्पी दिखते हुए नजर आ रहे है। ऑडियंस को ये शो काफी पसंद आ रहा है। बता दे, शो में इंडस्ट्री के कुछ पॉपुलर एक्टर नजर आ रहे है जिसमे छोटी बहू फेम एक्टर अविनाश सचदेव भी शामिल है। इसी के साथ शो में उनकी एक्स गर्लफ्रेंड पलक पुरसवानी को भी देखा गया था जो शो से जल्दी बाहर हो गई थी। वही अब स्ट्रेंज हाउस का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसमें अविनाश अपनी को-कंटेस्टेंट के लिए अपने प्यार का इजहार करते हुए नजर आ रहे हैं। बता दे, इस वीडियो में अविनाश और फलक बीबी हाउस के अंदर सोफे पर आराम करते दिखाई दे रहे है, इस दौरान फलक के लिए अविनाश अपने प्यार का इजहार करते दिखाई दिए। इसी के साथ फलक को अविनाश का कबूलनामा सुनकर शरमाते हुए वीडियो में देखा गया। बता दे, कि अविनाश इस वीडियो में फलक को कहते है कि मुझे तुम अच्छी लगती हो.. ये फीलिंग्स मुझे दूसरे हफ्ते से शरू हुई और धीरे-धीरे अपनी स्पीड के हिसाब से बढ़ती रही और मुझे ये चीज तुम्हे बोलनी चाहिए क्योकि मैं कल यहां से चला जाता हूं तो तुम्हे ये चीज पता होनी चाहिए। वही एक दूसरी वीडियो में अविनाश को अपने दोस्तों जद और जिया से बात करते हुए देखा गया जहां उन्होंने ये कबूला कि उन्होंने फलक के सामने अपनी फीलिंग्स बयां की है। बाद में अविनाश ने ये भी बताया कि फलक ने उनके कबूलनामे में हां या नहीं नहीं कहा। उन्होंने कहा कि फलक ने कहा कि उनकी प्रायोरिटी और ध्यान कहीं और है। वही आपको बता दे, बीते दिनों अविनाश ने अपने पास्ट रिलेशनशिप का खुलासा किया था जिसमे वो टीवी एक्ट्रेस शामली देसाई के साथ हुई अपनी शादी के बारे में बात कर रहे थे।

गौहर खान ने शेयर की अपनी गोद भराई की तस्वीरें, फूलों में सजी-धजी नजर आई एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस गौहर खान की खुशियां इन दिनों सातवें आसमान पर है एक्ट्रेस इन दिनों काफी खुश दिखाई है क्योकि हाल ही में एक्ट्रेस के घर में नन्हे मेहमान ने दस्तक दी है। बता दे, गौहर खान और जैद के घर में 10 मई 2023 को बेटे की किलकारी गुंजी थी। वही दोनों ने इस खास दिन अपने बेबी बॉय का वेलकम किया। तभी से ये कपल अपना पेरेंटिंग का फेज एन्जॉय करता दिखाई दे रहा है। दोनों सोशल मीडिया पर अपने लाड़ले बेटे जैद से जुड़ी हर अपडेट फैंस को देते है। इसके अलावा गौहर खान और जैद अपने बच्चे की प्यारी सी झलक अपने फैंस को सोशल मीडिया पर दिखते है। वही अब गौहर खान ने अपनी गोदभराई की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है, और फैंस के साथ इस खास पल को शेयर किया है।बता दे, एक्ट्रेस की फूलों की ज्वैलरी में जिसमें चोकर, एक हार, एक कमरबंद, बाजू, झुमके और एक मांग टीका शामिल है। इन तस्वीरों को शेयर कर एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- मेरी पर्सनल गोदभराई के लिए ये कस्टम फ्लावर ज्वैलरी बनाई गई थी। ये एक तस्वीर है जिसमें मैंने ज्वैलरी को बहुत प्यार से पहना है. 7 महीने की प्रेग्नेंट होने की थ्रोबैक तस्वीर।मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो गौहर खान ने अपने बेटे जेहान के साथ बिताए दो खूबसूरत महीनों के बारे में बात की। गौहर ने अपने पेरेंटिंग को एक अमेजिंग एक्सपीरियंस बताया। एक्ट्रेस ने बताया उन सभी महिलाओं से रिक्वेस्ट की जो मां बनना चाहती है कि वो ऐसे करेंगे। गौहर ने कहा- मां बनना आपकी लाइफ को नया मीनिंग देता है, एक्ट्रेस का कहना है कि बेटे के जन्म के बाद लाइफ में नया मीनिंग मिल पाने पर उन्हें बहुत ग्रेटफुल महसूस किया था।

डाइवोर्स रूमर्स के बीच दीपिका संग रोमांटिक हुए रणवीर

जबरदस्त एक्टिंग और अपने अतरंगी फैशन सेंस के लिए पहचाने जाने वाले बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह का नाम फिलहाल सबकी जुबान पर है। दरअसल, हाल ही में एक्टर ने अपना 38वां जन्मदिन मनाया था। इस दौरान फैंस के साथ-साथ कई बड़े सितारों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी थी। वहीं, बीते कुछ वक्त से रणवीर सिंह की पर्सनल लाइफ से जुड़ी कुछ हैरान कर देने वाली खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के बीच रिश्ता बिगड़ चुका है। इतना ही नहीं कहा तो ये भी जा रहा है कि अब बात इतनी आगे बढ़ चुकी है कि तलाक तक की नौबत आ गई है। इन दिनों रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के तलाक की खबरें सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही हैं। फैंस इस बात से डरे हुए है कि कही उनके ये पसंदीदा जोड़ी टूट न जाए। इसी बीच अब एक्टर ने एक फोटो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर ये खबरें फैलाने वालों के मुंह बंद कर दिए हैं। आपको बता दें, रणवीर सिंह ने अब इंस्टाग्राम पर एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की है। इस फोटो में वो अपनी लवली वाइफ दीपिका पादुकोण के साथ नजर आ रहे हैं। इस वायरल फोटो में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण एक शिप की खिड़की से बाहर झांकते दिखाई पड़ रहे हैं। समंदर के बीच शिप की खिड़की के बाहर नजारे का लुत्फ उठाते दीपिका और रणवीर की ये तस्वीर देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों अपनी शादीशुदा जिंदगी में कितने खुश हैं। वहीं, तस्वीर में इस कपल के चेहरे पर मुस्कराहट और सुकून साफ नजर आ रहा है। ऐसे में ये रोमांटिक तस्वीर शेयर करते हुए रणवीर सिंह ने कैप्शन में लिखा, सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया इतनी प्यारी बर्थडे विशेज के लिए।ष आपको बता दें, इस फोटो को शेयर करने के कुछ ही घंटों बाद एक्टर को अपनी कार में स्पॉट किया गया। वो अब मुंबई वापस लौट चुके हैं वहीं, एक वायरल वीडियो में एक्टर को कार की सामने की सीट पर बैठे देखा जा सकता है। वहीं, पीछे वाली सीट पर उनकी वाइफ दीपिका बैठी हुई नजर आई, जिनसे वो बात करते दिख रहे हैं। ऐसे में उनकी शादी को लेकर जो भी कयास लगाए जा रहे थे उम्मीद है अब वो बंद हो जाएंगे। एक्टर ने खुद ये साफ कर दिया है कि उनके और दीपिका के बीच सबकुछ ठीक है और दोनों अभी भी किस कदर एक-दूसरे से प्यार करते हैं। आपको बता दें, रणवीर और दीपिका ने सालों तक एक-दूसरे को डेट किया था। एक्टर कई बार अपनी वाइफ को अपना लकी चार्म बता चुके हैं। कपल ने साल 2018 में शादी की थी।

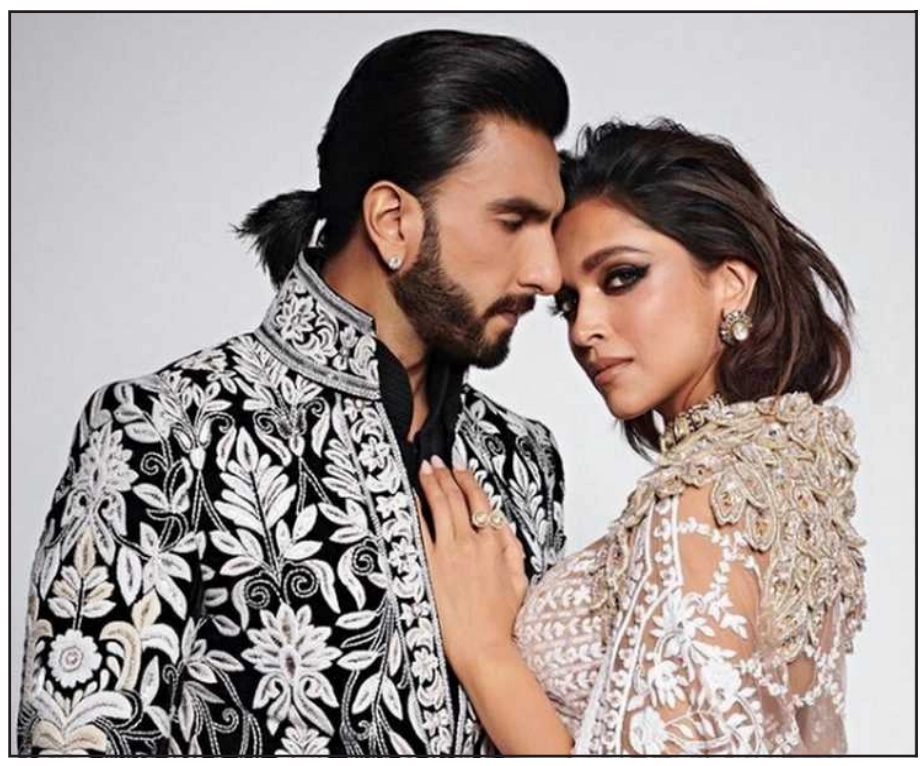

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने कहा-ओटीटी से सिनेमा हॉल के दर्शक कम नहीं होंगे

अभिनेता पंकज त्रिपाठी खाटी के मंझे हुए कलाकार हैं, जो अपनी सरल-सादगी के लिए जाने जाते हैं। भारतीय सिनेमा के कामयाब अभिनेताओं में उनकी गिनती होती है, लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने करीब 13 से 15 वर्ष तक कड़ा संघर्ष किया। उन्होंने अपनी अदा से भारतीय सिनेमा में दर्शकों का ध्यान एक आम कलाकार की ओर आकर्षित किया है। शुरूआत में उन्हें बहुत संघर्ष करना पड़ा कुछ विज्ञापन मिले और फिल्मों में छोटे-छोटे रोल, उन्होंने अपनी कला को चौलेंज के रूप में लिया। भारतीय सिनेमा में आज उनका नाम तेज रोशनी की तरह चमक रहा है, पंकज त्रिपाठी की खास बात यह है कि सफलता का उन्हें कोई घमंड नहीं है। वह चाहते हैं कि भारतीय फिल्में पूरे विश्व में अपनी पहचान बनाए। आज मुंबई से भोपाल हवाई यात्रा के दौरान उन्होंने बताया कि वह मध्यप्रदेश के चंदेरी स्त्री 2 की शूटिंग के लिए जा रहे हैं।

प्रश्नः रुपहले पर्दे पर ओटीटी के बाद सिनेमा हॉल में दर्शकों की संख्या कम हुई है आपका क्या सोचना है?

उत्तरः ऐसा बिल्कुल नहीं है जो फिल्में अच्छी होती है वह कहीं भी चल जाती है। दर्शक उन्हें देखने के लिए खिंचा चला आता है। यह बात जरूर है कि ओटीटी से नए कलाकारों का मौका मिला है। नई नई कलाकार अपना जौहर दिखा रहे हैं और अपनी अदाकारी से दर्शकों का मन हो रहे हैं।

प्रश्नः सिनेमा में नए कलाकारों के सामने किस तरह की कठिनाइयां आती हैं?

उत्तर- जिसमें कला है और अपनी अदा है उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है। हां शॉर्टकट सबसे बड़ी समस्या है, जिसे आज के युवा आर्टिस्ट अपनाने की कोशिश करते हैं। मैं सबसे कहता हूं, ऐसा मत करो, आगे मुसीबतें आएगी। संपूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण के बगैर आपके काम में निखार नहीं आ सकता। ये नहीं हैं तो आपके काम में अनाड़ीपन दिखेगा, जिसे दर्शक पहले ही सीन में रिजेक्ट कर देंगे। फिल्म इंडस्ट्री का एक दस्तूर भी है, जो एक बार रिजेक्ट हुआ, फिर सिलेक्ट जल्दी से नहीं होता। इसलिए पूरी तैयारी के बाद युद्ध में कूदो। जिस भूमिका में रोल प्ले कर रहे हैं उसमें वह भाव लाने की कोशिश करो।

प्रश्नः आपके पास ढेरों प्रोजेक्ट है। कई निमार्ता-निर्देशक आपके चक्कर लगा रहे हैं?

उत्तर- मैं सफलता नहीं देखता, मैं काम देखता हूं। मुझ पर ईश्वर की कृपा है। दर्शकों का प्यार है जिन्हें मेरी अदाकारी पसंद आ रही है। लेकिन ईमानदारी से बताऊं तो ये दिन देखने के लिए पापड़ भी बहुत बेले हैं।

बॉलीवुड के प्रसिद्ध कलाकार अतुल श्रीवास्तव बोले अब भारतीय फिल्में पूरे विश्व में देखी जा रही है

भारतीय सिनेमा जगत में कुछ ही कलाकार है जिन्होंने बहुत कम समय में अपनी छाप छोड़ी है, उनमें से एक कलाकार अतुल श्रीवास्तव को हर कोई जानता है। वह बॉलीवुड और टेलीविजन जगत के मंझे हुए कलाकार हैं उन्होंने अपने हर किरदार में छाप छोड़ी है। आज के दौर में अतुल श्रीवास्तव फिल्म जगत में ऐसे कलाकार हैं, जिनके अदाकारी से

बॉलीवुड के बड़े से बड़े सितारों को भी रश्क हो सकता है। लखनऊ से मुंबई की मायानगरी में शीर्ष तक पहुंचने वाले 61 वर्षीय इस बेहतरीन कलाकार ने पिछले कुछ साल में फिल्मों में व टेलीविजन के छोटे परदे की बदौलत जैसी मकबूलियत हासिल की है वह काबिल सितारों को ही मयस्सर होती है।अतुल कुमार टेलीविजन शो करीना-करीना के पीके श्रीवास्तव के नाम से भी जाने जाते हैं। अतुल श्रीवास्तव कई बॉलीवुड फिल्मों में प्रमुख भूमिकाओं में अपनी अदाकारी का जलवा दिखा चुके हैं और दिखा रहे हैं। जैसे- मुन्ना भाई एमबीबीएस,बजरंगी भाईजान, बंटी और बबली, एक चालीस की लास्ट लोकल, मुन्ना भाई एमबीबीएस 2, स्त्री, द कश्मीर फाइल्स, टॉयलेट एक प्रेम कथा, भूतनाथ, लुका छुपी। रुपहले पर्दे पर अतुल ने टी टाइम मनोरंजन, काश-एम-काश, सॉरी मेरी लॉरी और गुडगुडी जैसे सौ से अधिक टीवी शो में अभिनय किया है।वे बचपन से ही एक कलाकार रहे हैं। स्नातक पूर्ण होने के बाद भारतेन्दु नाट्य अकादमी लखनऊ से अभिनय की बारीकियां सीखीं। इसके बाद कई विज्ञापनों और धारावाहिकों में काम किया। इंडस्ट्री में 10 वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद मुन्नाभाई एमबीबीएस से फिल्मों में मौका मिला। आज अतुल श्रीवास्तव दिग्गज कलाकारों में शुमार होते हैं। देश के कई विश्वविद्यालयों सहित फिल्म ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ आईआईटी पवई और एनआईटी में कई मोटिवेशनल ट्रेनिंग आपके द्वारा दी गई है। ओटीटी पर अतुल श्रीवास्तव को दर्शक देखना पसंद करते हैं उनकी कई वेब सीरीज स्ट्रीम होने वाली है। जो वेब सीरीज स्ट्रीम हो गई उनमें एमएक्स पर मनफोडगंज की बिन्नी सीरियल बहुत देखा गया।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान

प्रेमी ने प्रेमिका की हत्या कर शव कुएं में डाला, फोन कर कहा- मैं भी मरने जा रहा हूं

वाराणसी। प्रेमी ने प्रेमिका की गला कसकर हत्या के बाद शव कुएं में फेंक दिया। वारदात के बाद प्रेमिका के परिजनों को फोन कर घटना की सूचना दी। उसने यह भी बताया कि वह भी मरने जा रहा है। घटना वाराणसी के दानगंज क्षेत्र की है। वाराणसी के दानगंज क्षेत्र में प्रेमी ने प्रेमिका की गला कसकर हत्या के बाद शव कुएं में फेंक दिया। वारदात के बाद प्रेमिका के परिजनों को फोन कर घटना की सूचना दी। उसने यह भी बताया कि वह भी मरने जा रहा है। फोन पर ये बातें सुनते ही युवती के परिजनों में कोहराम मच गया। प्रेमी द्वारा बताई गई जगह पर लोग पहुंचे तो कुएं में युवती का शव मिला। प्रेमी का कुछ अता-पता नहीं चला। उसका मोबाइल भी बंद हो गया। सूचना पर पहुंची चोलापुर थाने की पुलिस और फोरेंसिक टीम ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम को भिजवाया। पीड़ित परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी प्रेमी के खिलाफ हत्या समेत अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया। आरोपी फरार है। प्रेमी और युवती के परिजनों के बीच हुई बातचीत का ऑडियो वायरल है। बड़ी बहन का देवर ही है आरोपी चोलापुर थाना क्षेत्र के शिवरामपुर गांव के रहने वाले जान मोहम्मद की छोटी बेटी सलवरी (18 वर्ष) का जौनपुर जिले के मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के बिजुरगा निवासी मुबारक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सलवरी की बड़ी बहन जमीला का देवर मुबारक है। रविवार को मुबारक सलवरी से मिलने शिवरामपुर पहुंचा था। परिजनों के अनुसार सलवरी रविवार दोपहर बाजार जाने की बात कहते हुए घर से निकली थी। इसके बाद रात को परिजनों के मोबाइल पर मुबारक ने कॉल कर सलवरी की मौत हो गई है। उसका शव कुएं है। बताया कि वह भी खुदकुशी करने जा रहा है। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। घबराए परिजन घर के पास स्थित कुएं पर पहुंचे तो सलवरी का शव दिखाई दिया। इसकी सूचना रात में ही पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सलवरी के शव को बाहर निकलवाया। परिजनों का आरोप है कि सलवरी के गले में दुपट्टा था। गला कसकर उसकी हत्या की गई है। बताया जा रहा है कि मुबारक सलवरी से शादी करना चाहता था। सलवरी के परिजन इसके लिए तैयार नहीं थे। चोलापुर थाना प्रभारी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश में दबिश दी जा रही है।

साइबर ठगी : अनजान नंबर से आई काल रिसीव करते ही सिपाही के खाते से 95982 रुपए उड़ाए

थाना फरधान में है सिपाही की तैनाती, सदर कोतवाली पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। साइबर ठगी के मामले थम नहीं रहे हैं, बल्कि ठगों द्वारा नई तकनीक इजाद कर लोगों को चूना लगाया जा रहा है। ताजा मामले में फरधान थाना में तैनात सिपाही साइबर ठगी का षिकार हुआ है, जिसने अनजान नंबर से आई काल को रिसीव किया तो उसके बैंक खाते से ठगों ने 95982 रुपए उड़ा दिए हैं। फरधान थाना में तैनात सिपाही अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि वर्तमान में उसकी ड्यूटी बंदी न्यायालय में लगाई गई है, जिससे चार जुलाई 2023 को न्यायालय हवालात में मौजूद था। तभी अपरान्ह करीब 3:49 बजे उसके मोबाइल पर दो अनजान नंबरों से काल आई, जिसे रिसीव करने के बाद फोन कटते ही उसके बैंक खाते से 95982 रुपए धोखाधड़ी से निकाल लिए गए। बैंक का एसएमएस मिलते ही सिपाही के पैरो तले जमीन ही खिसक गई। आनन-फानन में सिपाही ने हेल्पलाइन नंबर 1930 व साइबर अपराध शाखा में अपने साथ हुई ठगी की सूचना दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच में यह पता चला कि सिपाही के खाते से धोखाधड़ी कर उड़ाई गई रकम मध्य प्रदेश के ग्वालियर जनपद के एचडीएफसी बैंक शाखा बहोदापुर के एक खाते में जमा हुई है, जिसकी पहचान अजीम खान निवासी पाली तहसील गोंड विंदा मध्य प्रदेश के तौर पर हुई है। प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि इस मामले में आरोपी खाताधारक नजीम खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच की जा रही है। जल्द ही पीड़ित का पैसा रिकवर किया जाएगा।

जेसीबी लगाकर गंगा से हटवाई रेत, घाट तक पहुंची गंगा

गाजीपुर। सावन की पहली सोमवारी पर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए कांवरियां शहर के प्रमुख ददरी घाट से गंगा स्नान के बाद जल लेकर जाते हैं, लेकिन गंगा की मुख्य जलधारा दूर होने और शहर के गंदे नाले का बना तालाब उनकी श्रद्धा में रोड़ा बना हुआ था। इस समस्या को अमर उजाला ने रविवार को प्रमुखता से प्रकाशित किया। तब जिला और नगर पालिका प्रशासन की तंद्रा टूटी । रविवार की सुबह से ही चार जेसीबी लगाकर गंगा के रेत को हटवाकर नाला बनाया गया और मुख्य जलधारा को घाट तक गिराने का काम किया गया। ऐसे में अब कांवरिया जहां शुद्ध जल में स्नान करके महाहर धार पहुंचकर भगवान भोले नाथ का जलाभिषेक कर सकेंगे। गंगा की मुख्य जलधारा शहर के प्रमुख घाटों को छोड़कर दूर हो चुकी है। सावन माह शुरू हो गया। हालांकि कुछ दिन पूर्व गंगा के जल में हो रहे बढ़ाव से लगा कि गंगा प्रमुख घाटों तक पहुंच जाएगी। लेकिन स्थिति जस की तस बनी रही। इधर नगर पालिका प्रशासन की ओर से बैरिकेडिंग करने के साथ ददरी घाट में गंदे पानी के बने तालाब में लगी जलकुंभी को तो हटवा दिया था, लेकिन मुख्य जलधारा को घाट तक लाने का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। ऐसे में अमर उजाला ने रविवार के अंक में पेज नंबर छह पर जलकुंभी का जाल और बहते नाले रोकेंगे कांवरियों के पांव शीर्षक के साथ खबर को प्रमुखता से प्रकाशित करने के साथ समस्या को उठाया।

वाराणसी में कांवरियों पर हेलीकॉप्टर से बरसाए गए फूल, आसमान में ये नजारा देख झूम उठे शिवभक्त

वाराणसी। शिव की नगरी काशी में सावन के पहले सोमवार पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों के ऊपर पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। प्रयागराज कांवरिया मार्ग और कैथी मार्कण्डेय महादेव मंदिर से काशी विश्वनाथ धाम तक पुष्प वर्षा की गई। सावन के पहले सोमवार पर शिव की नगरी काशी भोलामय है। काशी विश्वनाथ धाम और कैथी मार्कण्डेय महादेव मंदिर समेत अन्य शिवालयों में जलाभिषेक के लिए लंबी कतार है। सावन के पहले सोमवार पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों के ऊपर पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। वाराणसी में पहली बार ऐसा नजारा दिखा। पुष्प वर्षा होते देख शिवभक्तों ने हर-हर बोल बम का जयघोष किया

और खुशी जताई। वाराणसी-प्रयागराज कांवरिया मार्ग और कैथी मार्कण्डेय महादेव मंदिर से काशी विश्वनाथ धाम तक पुष्प वर्षा की गई। सोमवार सुबह करीब सवा 11 बजे पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन, मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा और जिलाधिकारी एस राजलिंगम हेलीकॉप्टर समेत अन्य अधिकारी पुलिस लाइन से हेलीकॉप्टर में बैठकर कांवर यात्रा मार्ग के ऊपर से गुजरे। आसमान से हो रही पुष्पवर्षा की सराहना गाजीपुर मार्ग पर स्थित कैथी मार्कण्डेय महादेव मंदिर से अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर में से करीब दो क्विंटल गुलाब, गेंदा और जरवेरा फूलों की पंखड़ियों की वर्षा की। आसमान से फूलों की वर्षा होते देख कांवरिएये खुशी से झूम उठे। लोगों ने भी आसमान से हो रही पुष्पवर्षा की सराहना की। अधिकारियों ने पुष्प वर्षा के साथ ही कांवर मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। इधर, सावन के पहले सोमवार पर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। सुहाने मौसम के बीच बैरिकेडिंग में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी है। दशाश्वमेध, काशी विश्वनाथ मंदिर, चौक, ज्ञानवापी आदि मार्गों पर बोल बम व हर हर महादेव का उद्घोष भी करते रहे।

पांच अगस्त तक होगा कक्षा नौ व 11 में पंजीकरण

अमेठी। माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित इंटर कॉलेजों में प्रवेश व पंजीकरण के नाम पर मनमानी नहीं चलेगी। सचिव की ओर शैक्षिक सत्र 2023-24 में कक्षा नौ व 11 प्रवेश व पंजीकरण की समय सारिणी जारी की है। सारिणी के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण, चेकलिस्ट व जांच के साथ सुधार करते हुए नामावली जमा करने की तिथि निर्धारित की है। जिले में संचालित 36 राजकीय, 25 सहायता प्राप्त व 180 वित्तविहीन इंटर कॉलेजों का संचालन माध्यमिक शिक्षा विभाग करता है। शैक्षिक सत्र 2023-24 में आठ जुलाई तक मौजूद आंकड़ों के अनुसार कक्षा नौ में पंजीकृत 29,744, कक्षा 10 में पंजीकृत 24,763 कक्षा 11 में 23,011 व कक्षा 12 में 19,521 के विद्यार्थी पंजीकृत हैं। ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूलों में विद्यार्थियों का प्रवेश चल रहा है। प्रवेश व ऑनलाइन पंजीकरण के नाम पर मनमानी को रोकने के लिए सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने अग्रिम पंजीकरण समय सारिणी जारी की गई है। जारी समय सारिणी के अनुसार कक्षा नौ व 11 में प्रवेश व ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि पांच अगस्त निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के बाद 20 अगस्त तक सिर्फ कंपार्टमेंट या सन्निरीक्षा के माध्यम से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का पंजीकरण करने तो 25 अगस्त तक प्रति विद्यार्थी 50 रुपये विलंब शुल्क के साथ प्रवेश लेने की रियायत दी है। 26 अगस्त से पांच सितंबर तक वेबसाइट पर ऑनलाइल अपलोड विद्यार्थियों की चेक लिस्ट अपलोड कर प्रिंट लेने के बाद नाम, माता व पिता का नाम, जन्मतिथि, विषय व फोटो का मिलान करने को कहा है। इस अवधि में वेबसाइट पर किसी भी प्रकार का अपडेशन प्रतिबंधित रहेगा। छह सितंबर से 20 सितंबर तक ऑनलाइन अपलोड किए गए विद्यार्थियों की जांचोपरांत मिली कमियों का संशोधन/ अपडेशन कार्य पूरा किया जाएगा। प्रक्रिया पूरी होने के बाद 30 सितंबर तक कॉलेज को पंजीकृत विद्यार्थियों की फोटोयुक्त नामावली व शुल्क जमा की प्रति डीआईओएस कार्यालय में जमा करना होगा। निर्धारित समय के बाद कोई भी प्रवेश या पंजीकरण नहीं होगा तो विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र/ अंकपंत्र में नाम, माता व पिता का नाम समेत अन्य डाटा शुद्ध लोड हो इसकी जिम्मेदारी प्रधानाचार्य की तय की गई है। नियमित होगी निगरानी सहायत वित्त एवं लेखाधिकारी आशुतोष मिश्र ने बताया कि प्रवेश व ऑनलाइन पंजीकरण की निगरानी के लिए ब्लॉकवार नोडल अफसर नामित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्रवेश व पंजीकरण की नियमित जांच का प्रबंध किया गया है। प्रधानाचार्यों की ओर से प्रवेश व पंजीकरण में लापरवाही बरतने या विद्यार्थियों का डाटा त्रुटिरहित नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी। प्रधानाचार्यों को भेजा गया पत्र समय सारिणी के अनुसार प्रवेश व पंजीकरण करने का निर्देश दिया गया है। स्कूल में नियमानुसार प्रवेश करते हुए समय विद्यार्थी की ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर व आधार कार्ड संलग्न कराने के साथ ही पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है। विद्यार्थियों के प्रवेश में मनमानी बरतने या गड़बड़ी करने की दशा में कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर युवक ने खाया जहर, ओबरा थाने में तैनात दरोगा लाइन हाजिर

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के ओबरा थाने की पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर भलुआ टोला निवासी बादशाह खान उर्फ टीपू ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। मामले में ओबरा थाने में तैनात एक दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया। सोनभद्र जिले के ओबरा थाने की पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर भलुआ टोला निवासी बादशाह खान उर्फ टीपू ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। पता चलते ही परिजनों ने उसे ओबरा परियोजना चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां हालात गंभीर होने पर देर रात जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। विषाक्त पदार्थ का सेवन करने वाले बादशाह ने

बताया कि पैसों के लेनदेन को लेकर ओबरा थाने के पुलिसकर्मियों ने उसे बहुत प्रताड़ित किया है। थाने में दो दिन बंद कर मारापीटा गया। मां-बहन को गाली दी गई। पैसा देने के बावजूद उसकी गाड़ी को जबरजस्ती ले लिया गया। पुलिस प्रताड़ना से नाराज होकर उसने ने जहरीला पदार्थ खाने की बात कही। देर रात वीडियो वायरल हो जाने के बाद पुलिस के हाथ-पांव फूल गए। पुलिस के आला अधिकारियों ने जिला अस्पताल जाकर हाल जाना। परिजनों के मुताबिक सोमवार सुबह पुलिस बादशाह को जिला अस्पताल से लेकर सीधे ओबरा थाने पहुंची। जहां कुछ कागजी कार्रवाई के बाद उसे उसे घर जाने दिया गया। प्रभारी निरीक्षक ओबरा अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रकरण में ओबरा थाने में तैनात उप निरीक्षक राकेश मिश्रा को लाइन हाजिर कर दिया गया है। जांच की जा रही है।

मूसाखांड़ बांध में डूबने से ऑटो चालक की मौत

चंदौली। मूसाखांड बांध पर सैरसपाटा के दौरान डूबने से पीडीडीयू नगर निवासी ऑटो चालक नौशाद उर्फ मिट्ठू (19) की मौत हो गई। वह शनिवार की शाम ऑटो से अपने चार साथियों के साथ मूसाखाड़ बांध आया था। स्नान करते समय पैर फिसल जाने से वह गहरे पानी में चला गया। रविवार को पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक का शव बांध से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के पीडीडीयू नगर सिद्धार्थपुरम कालोनी निवासी निसार का पुत्र नौशाद महाबलपुर निवासी चार साथियों के साथ ऑटो से सैर करने निकला था। लतीफशाह, चंद्रप्रभा घूमने के बाद चारों साथी मुसाखांड़ बांध पहुंचे। नौशाद बांध के पानी में कपड़ा धोने और नहाने लगा। तभी वह गहरे पानी में चला गया। उसके साथियों ने देर तक इंतजार किया। जब वह बाहर नहीं आया तो घबराकर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी गिरीश चंद्र राय मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। बांध किनारे युवक की जींस व टीशर्ट मिली। रविवार की सुबह पुलिस गोताखोरों की मदद से युवक को ढूंढने में लग गई। घंटों के प्रयास के बाद युवक का शव बरामद किया गया। जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन शुभचिंतक कोतवाली पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल मिथिलेश तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में परिजनों द्वारा कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

स्टेट हाइवे पर बस पलटी, पांच घायल

गाजीपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के भुजहुंवा गांव से गुजरने वाली स्टेट हाइवे 124 पर रविवार को बड़ा हादसा टल गया। वाराणसी से आजमगढ़ जा रही रोडवेज की एक अनुर्बधित बस अनियंत्रित होकर हाइवे किनारे खेत में पलट गई। हादसे में पांच यात्रियों को मामूली चोटें आईं। वहीं, बस में सवार अन्य सभी यात्री दूसरे संसाधनों से अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए। रोडवेज की अनुर्बधित बस वाराणसी से अनौनी लालगंज होते हुए आजमगढ़ जा रही थी। भुजहुंवा पुलिस चौकी से महज एक किलोमीटर पहले हाइवे पर भुजहुंवा गांव में सुबह 11:30 बजे बस अनियंत्रित होकर स्टेट हाइवे किनारे एक खेत में जाकर पलट गई। हादसे के बाद चालक और परिचालक फरार हो गए। उधर, बस पलटने से मची चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग दौड़ पड़े। बस में फंसे करीब 27-28 यात्रियों को सकुशल बाहर निकाल लिया। इस दौरान ओमप्रकाश चौहान, शमशुद्दीन अंसारी, रूखसाना,शानू और बानू को हल्की चोटें आई,जो आजमगढ़ के अलग-अलग गांव के निवासी थे। उधर, घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे खानपुर थानाध्यक्ष प्रवीण यादव उच्चाधिकारियों को जानकारी दी। उधर, सभी यात्रियों अन्य संसाधनों से रवाना हो गए।

आरोग्य मेले में अव्यवस्थाएं, कर्मचारियों का रहा अभाव

अमेठी। जिले की 30 पीएचसी पर रविवार को जनआरोग्य मेला आयोजित हुआ। मेले में अव्यवस्थाएं और औपचारिकताओं का आलम रहा कि स्टाल लगाने के बजाय आंगनबाड़ी कार्यकत्री पर्चा काटते दिखीं। कई जगहों पर कर्मियों का भी अभाव रहा। बारिश के चलते मेले में जुखाम, बुखार, डायरिया, त्वचा रोग के मरीजों की संख्या अधिक रही। गौरीगंज विकास खंड स्थित सैठा पीएचसी पर आयोजित जन आरोग्य मेले में प्रभारी डॉ. अनूप आर्या, डॉ. महेंद्र कनौजिया, फार्मासिस्ट अतुल सिंह, एएनएम सावित्री व मंसवीरा देवी, स्टाप नर्स खुशबू, निधि सिंह, प्रतिभा, एलए सूर्यभान कुशवाहा एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जगदीश मौजूद मिले। एएनएम अर्चना अनुपस्थित मिली जबकि आंगबाड़ी कार्यकत्री सुमता देवी स्टॉल न लगाकर मरीजों का पंजीकरण पर्चा काट रही थी। चोट लगने के कारण आए एक युवक की पट्टी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने की। मरीजों ने बताया कि अस्पताल से दवाएं मिली हैं। अस्पताल में 12:30 बजे तक डॉ. अनूप आर्या ने 15 मरीज तो 12:35 बजे तक डॉ. महेंद्र ने 26 मरीजों को देखा था। होमियो पैथ में चिकित्सक नहीं थे। मौजूद फार्मासिस्ट अशोक शुक्ल ने दस मरीजों का परीक्षण कर दवा दी थी। मेले में 12: 35 बजे तक 44 मरीजों का पंजीकरण हुआ था। शाहमऊ पीएचसी पर प्रभारी डॉ. अवधेश सिंह की अगुवाई में जन आरोग्य मेला आयोजित हुआ। यहां भी आंगन बाड़ी कार्यकत्री द्वारा स्टॉल नहीं लगाया गया था। मरीजों व तीमारदारों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं थी। मेले में बारिश का मौसम होने के चलते मेले में जुखाम, बुखार, डायरिया, त्वचा रोग के मरीजों की संख्या अधिक रही। सीएमओ ने किया पीएचसी ओदारी का निरीक्षण ब्लॉक तिलोई स्थित पीएचसी ओदारी पर आयोजित मेले का निरीक्षण सीएमओ अंशुमान सिंह ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेले में आए मरीजों से बातकर व्यवस्थाओं आदि के संबंध में जानकारी ली। सीएमओ ने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करने की नसीहत दी। साथ ही मरीजों को अस्पताल से बेहतर उपचार, दवाएं व सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

घर में घुसे युवक को पेड़ से बांध कर बुरी तरह पीटा, मौत

अमेठी। अमेठी जिले में एक युवक को पेड़ से बांधकर इतनी बुरी तरह पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक एक व्यक्ति के घर में घुस गया था। अमेठी जिले के इन्हौना में एक चौंकाने वाली घटना प्रकाश में आई है। कोटवा गांव में एक युवक की

पेड़ से बांधकर पिटाई की गई। इससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोटवा गांव निवासी अरविंद कुमार (22) अकेले रहता है। वह खेती किसानी करता है। इन्हौना एसओ कंचन सिंह ने बताया कि अभी तक की पड़ताल में पता चला है कि वह रात में गांव के ही एक व्यक्ति के घर में घुस गया था। इस पर जिस घर में वह घुसा था, उस घर के लोगों ने उसे पकड़ लिया और पेड़ से बांधकर उसकी पिटाई की। पिटाई से उसकी मौत हो गई। वह घर में किस इरादे से घुसा था, इस पर पुलिस पड़ताल कर रही है। वारदात की सूचना पर एसपी डॉ. इलामारनजी ने पहुंचकर जानकारी हासिल की है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को इसकी जानकारी दी है। मृतक के परिजन अहमदाबाद रहते हैं। वहीं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एएसपी हरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है। मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया है।

जिला अस्पताल अगस्त से शुरू होगी दूरबीन विधि से सर्जरी

गाजीपुर। अब लंबे समय तक अस्पताल में सर्जरी के बाद भर्ती रहने की आवश्यकता नहीं होगी। जिला असताल में अगस्त से दूरबीन विधि से सर्जरी होने लगेगी। इससे जहां समय की बचत होगी, वहीं बड़े ऑपरेशन से मरीजों को मुक्ति मिलेगी। इसके लिए संबंधित मशीन और उपकरण उपलब्ध हो चुके हैं। इसे जल्द ही स्थापित कराया जाएगा। महर्षि विश्वामित्र स्वशासी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में लगातार चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने का क्रम जारी है। एक तरफ जहां वार्ड में भर्ती एवं ओपीडी में परामर्श के लिए पहुंचने वाले मरीजों को जांच और दवा की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं, कई ऐसी जांच भी शुरू हो चुकी है, जिसके संचालन से मरीजों को अब निजी पैथोलॉजी केंद्रों तक दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। यहीं नहीं सर्जरी की भी सुविधा शुरू करने के साथ छोटे-छोटे और गंभीर बीमारियों का उपचार और ऑपरेशन किए जा रहे हैं। अब तक कई ऐसी बीमारियों के ऑपरेशन हुए हैं, जो अब तक जिला अस्पताल के लिए असंभव थे। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने दूरबीन विधि की सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराने निर्णय लिया। इससे पथरी, हर्निया और गॉल ब्लेडर पथरी और सभी प्रकार के ऑपरेशन में दूरबीन शल्य चिकित्सा की जा सकेगी। इसके लिए मशीन और उपकरण के उपलब्ध होने के बाद इन्हें स्थापित कराने की तैयारियां तेज कर दी गई है। इस के शुरू होने से जनपद ही नहीं सटे आस-पास के जिले के लोग और गैर प्रांतों के मरीज भी लाभांवित हो सकेंगे। सबसे अधिक सुविधा आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मिल सकेगी।

पत्नी की विदाई कराने आए पति पर चाकू और पत्थर से हमला

सोनभद्र। संतनगर थाना क्षेत्र के पटेहरा कला गांव के घंटाघर मौजा में शनिवार को देर शाम पत्नी की विदाई कराने आए पति पर ससुराल वालों ने चाकू और पत्थर से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। थाना क्षेत्र के पटेहरा कला गांव के घंटाघर मौजा निवासी छोटेलाल मिश्रा की पुत्री ज्योति मिश्रा की शादी तीन वर्ष पहले सोनभद्र के चकउली गांव निवासी धनंजय शुक्ला के पुत्र नितीश शुक्ला के साथ हुई थी। नितीश शुक्ला की मां कुसुम शुक्ला ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही बहू के घर वाले लगातार उसके परिवार वालों को परेशान कर रहे थे। चार माह पहले बहू के पिता और भाई उनके घर पहुंच कर उसे अपने घर लेकर चले गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद नीतीश के पिता धनंजय शुक्ला कई बार बहू की विदाई कराने के लिए पटेहरा गए, परंतु ससुराल वालों ने विदाई नहीं की। मां कुसुम शुक्ला का आरोप है कि शनिवार को देर शाम नितीश अपनी पत्नी ज्योति शुक्ला की विदाई कराने के लिए ससुराल पटेहरा गया था। जहां उसके ससुर व साले ने चाकू और पत्थर से हमला कर घायल कर दिया। नितीश ने इसकी तहरीर संतनगर थाने में दी। इसके बाद पुलिस नितीश को इलाज के लिए पटेहरा पीएचसी ले गई। जहां से उसे प्राथमिक उपचार कर मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। सीओ मंजरी राव ने बताया कि तहरीर मिली है। मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बिजली के लटके तार की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

चंदौली। चकरघट्टा थाना के बसौली गांव में बिजली के लटके तार की चपेट में आने से रविवार की सुबह एक बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने बिजली विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव को उठाने से इंकार कर दिया। उन्होंने थाने में तहरीर दी है। पुलिस के समझाने पर परिजन शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने पर राजी हुए। नौगढ़ तहसील मुख्यालय से दस किमी दूर बसौली गांव बिजली के पोल से तार काफी नीचे तक लटक रहा है। गोपाल यादव (69) रविवार की सुबह मवेशी चराने के लिए निकले। लटके तार की चपेट में आ गए। करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों और गांव के लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई एवं आर्थिक सहायता देने की मांग करते हुए शव उठाने से इनकार कर दिया। लोग धरने पर बैठ गए। प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश सिंह उर्फ शेरू यादव की सूचना पर थाना पुलिस, हल्का लेखपाल मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने समझा बुझाकर अधिकारियों से वार्ता कर मांग पूरी कराने का आश्वासन देकर दोपहर 12 बजे धरना समाप्त कराया। ग्रामीणों ने बताया कि दो वर्षों से तार लटक रहा है। इसकी ग्रामीणों ने कई बार शिकायत विभाग से की। ग्राम प्रधान ने संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी से शिकायत की थी। इसके बावजूद इसके विभाग ने तार को सही नहीं करवाया।